आज का विचार

खुदा प्यार सबको देता है, दिल भी सबको देता है, दिल में बसने वाला भी सबको देता है, पर दिल को समझने वाला नसीब वालों को ही देता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | वीरवार, 15 जनवरी, 2026 | वर्ष 24, अंक 13, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 169 गुम स्वरूप मिले, यह उपलब्धि नहीं, हमारा कर्तव्य था: भगवंत सिंह मान

स्वरूपों का प्रकाशन शिरोमणि कमेटी की जिम्मेदारी, अकाली दल के कारण शिरोमणि कमेटी अपने कर्तव्य में विफल रही: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
श्री मुक्तसर साहिब

माघी के पवित्र अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री मुक्तसर साहिब का दौरा किया, जहां उन्होंने गुरुद्वारा श्री टुट्टी गंढी साहिब में माथा टेका और बड़े जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 169 गुमशुदा स्वरूपों के मिलने पर पंजाब सरकार का रुख दोहराया। सिख इतिहास और बलिदान से जुड़े इस दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वरूपों की बरामदगी प्राप्ति के बजाय फर्ज का मामला है।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि पंजाब सरकार आगामी बजट में महिलाओं के लिए एक हजार रुपए प्रति माह सहायता योजना के लिए बजट में प्रावधान करेगी। उनकी सरकार ने पंजाब के लोगों से किए हर वादे को पूरा किया है। 'आप' नेताओं ने कहा कि माघी अवसर पर यहां हुआ समागम सरकार में लोगों के विश्वास को दशार्ता है।

माघी अवसर पर एक विशाल राजनीतिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने अब तक पंजाब के लोगों से किए हर वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा, हमने लोगों से किए हर वादे का सम्मान किया है और अब हम राज्य की हर महिला को एक हजार रुपए देने की योजना शुरू करेंगे। आगामी बजट में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यह सरकार सभी की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पंजाब के लोगों से किया गया हर वादा हर हाल में पूरा किया जाएगा। इस पवित्र स्थान के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धरती भाई महां सिंह जी के नेतृत्व में सिख योद्धाओं के महान बलिदान की गवाह है और समूची सिख संगत उनकी शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। उन्होंने कहा, लोग यहां राज्य भर से एकत्र हुए हैं और इस समागम का हिस्सा बनकर खुद को सौभाग्यशाली मान रहे हैं। यह पवित्र धरती और यहां हुए बलिदान दुनिया भर के हर सिख के दिल में बसते हैं और अन्याय तथा अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करते हैं। विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारें कमजोर याददाश्त से पीड़ित हैं और चुनावों के बाद पंजाब को लूटने के लिए केवल अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'झाड़ू', जो 'आप' का प्रतीक है, ने राजनीतिक व्यवस्था को साफ कर दिया

है और इसी कारण पारंपरिक पार्टियां हैरान हैं। ये नेता मुझ पर केवल इसलिए हमला कर रहे हैं क्योंकि मैं एक साधारण परिवार से हूं, जिसे वे बर्दाशत नहीं कर पा रहे हैं। लोकतंत्र में लोगों को सर्वोच्च मानते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जनता ने अवसरवादी नेताओं को सबक सिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने टिप्पणी की, इस रैली में भारी समागम लोगों के सरकार और इसकी नीतियों के प्रति प्रेम और स्नेह को दशार्ता है। अन्य पार्टियां भी रैलियां कर रही हैं, लेकिन सुखबीर बादल की रैली अब तक खत्म हो चुकी होगी क्योंकि शायद ही कोई वहां गया होगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल द्वारा किराए पर ली गई बसों में लाए गए लोग भी 'आप' रैली में शामिल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी दल राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अंधेरे में तीर चला रहे हैं और सरकार के लोगों के पक्ष में तथा पंजाब के पक्ष में रुख से ईर्ष्या कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी भी कीमत पर पंजाब और पंजाबियों के हितों की रक्षा के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा। शासन की प्राथमिकताओं की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार की भूमिका बच्चों के सपनों को पंख देना होती है ताकि वे जीवन में सफलता की नई कहानियां लिख सकें। उन्होंने कहा, मेरे द्वारा हस्ताक्षर की गई हर फाइल का उद्देश्य आम आदमी और राज्य को लाभ पहुंचाना है। 63,000 से अधिक युवाओं को भ्रष्टाचार या सिफारिश के बिना पूरी तरह योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई हैं। हमारी सरकार द्वारा लिया गया हर फैसला पंजाब की प्रगति और लोगों की खुशहाली पर केंद्रित है। जनसेवाओं को मजबूत करने के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुलिस की दक्षता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक नए पुलिस कर्मचारी भर्ती किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों को पढ़ाई में सहायता के लिए कई जनसार्वजनिक लाइब्रेरियां खोली गई हैं, सभी क्षेत्रों को निर्बाध बिजली प्रदान की जा रही है और 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है।

श्री मुक्तसर साहिब की पावन धरती, इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज : नायब सिंह सैनी

डबल इंजन सरकार से विकास की गति कई गुणा हो जाती है: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा केवल पड़ोसी राज्य नहीं हैं, बल्कि दोनों का रिश्ता खून और भाईचारे का है। हरियाणा के लोग पंजाब से गहरा प्रेम करते हैं। उन्होंने पंजाब में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि जब पंजाब के लोग कठिनाई में थे, तब हरियाणा वासियों ने छोटे भाई की तरह पंजाब की हर संभव मदद की। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को श्री मुक्तसर साहिब में आयोजित ह्यमाघी मेला में उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्री मुक्तसर साहिब की पवित्र धरा को नमन करते हुए कहा कि इस पवित्र और ऐतिहासिक स्थल पर आना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। श्री मुक्तसर साहिब की पावन धरती, इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है। यहां चालीस मुक्तों ने, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चरणों में अपने प्राण अर्पित कर दिए। यह धरती हमें सिखाती है कि मुक्ति केवल मृत्यु के

बाद नहीं, बल्कि सत्य के मार्ग पर चलकर, अन्याय के खिलाफ खड़े होकर भी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने इस दौरान सभी को मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में प्राकृतिक आपदा के समय यहां के सत्तासीन नेताओं को जनता की पीड़ा दिखाई नहीं दी, आपदा के समय हरियाणा के लोगों ने पंजाब का साथ दिया, लेकिन यहां के मुख्यमंत्री उस कठिन समय में कहीं नजर नहीं आए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पंजाब की वर्तमान सरकार ने पंजाब की जनता से जो वायदे किए थे, उन पर खरी नहीं उतरी है। यहीं नहीं, वो आपदा के समय भी अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से 217 वादों वाला संकल्प पत्र जारी किया था, जिनमें से एक वर्ष के भीतर 54 वादों को पूरा किया जा चुका है। शेष 163 वादों पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने जनता से किए वायदे केवल कागजों में ही पूरे किए है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प पत्र में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का वादा किया था, जिसे पूरा कर दिया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की जा रही है। किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाता है और यदि किसी कारणवश देरी होती है तो ब्याज भी दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हरियाणा और पंजाब के किसानों पर पराली जलाने के आरोप लगाए जाते थे। अब पंजाब में चार वर्षों से आम आदमी पार्टी की सरकार है, लेकिन किसानों को पराली न जलानी पड़े, इसके लिए पंजाब सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, वहीं दूसरी ओर हरियाणा सरकार किसानों को पराली प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों पर सब्सिडी के अलावा 1200 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की सहायता प्रदान भी कर रही है। इसके अलावा बहन-बेटियों के लिए भी लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये की मासिक सहायता प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में जब केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आए तो मजदूरों ने मनरेगा के तहत उनको हक नहीं मिलने की बात कही और जानकारी में सामने आया कि बहुत सी ग्राम पंचायतों में गबन हुआ और उस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सेना प्रमुख ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में युवाओं को बताया 'नए भारत का चेहरा'

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को दिल्ली कैंट में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) का दौरा किया। सेना प्रमुख ने युवाओं को 'नए भारत का चेहरा' बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि वे देश की सबसे शक्तिशाली आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो अनुशासन, उद्देश्य और संकल्प के माध्यम से राष्ट्रीय परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।

सेना प्रमुख ने एनसीसी कैडेट्स के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया, जो भारत की सशक्तता का सबूत है। उन्होंने कहा कि 75 हजार से अधिक एनसीसी कैडेट्स ने पूरे देश में सिविल डिफेंस, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, राहत सामग्री बांटने और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में स्वयंसेवक की भूमिका निभाई। आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 35 हजार से भी अधिक कैडेट्स ने देशभर में सैन्य इकाइयों और सैनिक अस्पतालों के साथ प्रशिक्षण हासिल किया है।

उन्होंने पुनीत सागर अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत, एक पेड़ मां के नाम, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और स्वच्छ भारत अभियान जैसी राष्ट्रीय पहलों में 28 राज्यों के 315 जिलों में 94,400 कैडेट्स को प्रशिक्षण दिए जाने जैसे नये उपायों को सराहा। सेना प्रमुख ने अपने भाषण के अंत में कहा कि एनसीसी सशस्त्र बलों में शामिल होने का एक जरूरी रास्ता बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस साल 150 से अधिक कैडेट्स ने सैन्य प्रशिक्षण अकादमियों में प्रवेश लिया है। उन्होंने कैडेट्स से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अनुशासन के साथ मार्च करने और समर्पण के साथ सेवा करने का आग्रह करते हुए कहा कि मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण देश के युवा ही करेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी और आर्मी वुमेंस वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी ने आर्मी हाउस में नेशनल कैडेट कॉर्प्स कैडेट्स का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने चरित्र निर्माण और जीवन में बेहतरीन काम करने के लिए अनुशासन, लगन, कड़ी मेहनत और नेतृत्व के मूल्यों पर जोर दिया। उन्होंने चुने हुए सफल कैडेट्स को सम्मानित किया और जीवन के सभी क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने की कोशिश करने का आग्रह किया। इस मौके पर कैडेट्स को भारतीय सेना के वीरता पुरस्कार विजेताओं और खिलाड़ियों- सब मेजर और ऑनरी लेफ्टिनेंट संजय कुमार, परमवीर चक्र, ओलंपियन सब होकाटो सेमा और एनबी सब जैस्मीन से जुड़ने का भी मौका मिला, जिससे उनमें उम्मीद और पक्के इरादे की भावना जगी।

दिल्ली में 81 और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ, संख्या बढ़कर 319 हुई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मकर संक्रांति पर यहां के ग्राम नंगल राया में एक कार्यक्रम के दौरान 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर दिल्लीवासियों को समर्पित किए। इन नए केंद्रों के शुभारंभ के साथ दिल्ली में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या बढ़कर 319 हो गयी है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी कक्ष, लैब, दवा वितरण काउंटर, वैक्सीनेशन यूनिट और जच्चा-बच्चा देखभाल केंद्रों

का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित नर्सों, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से बातचीत करते हुए उनके कार्य अनुभव और मरीजों को दी जा रही सेवाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने हेल्थ रिकॉर्ड सिस्टम की भी समीक्षा की। उन्होंने मरीजों के पंजीकरण, मेडिकल रिकॉर्ड और डेटा मैनेजमेंट की प्रक्रिया को विस्तार से समझा और अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिकॉर्ड प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी, सटीक और सुगम बनी रहे। इस अवसर पर हरि नगर के विधायक श्याम शर्मा सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति और लोहड़ी के पर्व पर दिल्ली की जनता को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर समर्पित करना सरकार के लिए विशेष संतोष का विषय है। पिछली सरकारों के कार्यकाल में स्वास्थ्य ढांचे की अनदेखी के कारण कई अस्पतालों की परियोजनाएं वर्षों तक अधर में लटकी रहीं। वर्तमान सरकार अब उन सभी अधूरी परियोजनाओं को पारदर्शिता और तय प्रक्रिया के तहत पूरा कर रही है।

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 26वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2024-2025 का पुरस्कार वितरण समारोह

एजेंसी
नई दिल्ली

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 26वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता, 2024-25 का पुरस्कार वितरण समारोह 15 जनवरी, 2026 को दोपहर 3:00 बजे से मावलंकर सभागार, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, रफी मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। कानून और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री माननीय श्री अर्जुन राम मेघवाल इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे और प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार विजेता छात्रों एवं विद्यालयों को पुरस्कार वितरित करेंगे। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए आयोजित 26वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता, 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरतगढ़, श्री गंगानगर, द्वितीय, राजस्थान (जयपुर क्षेत्र) के छात्र युवा संसद का पुनरावृत्ति प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले 29 वर्षों से जवाहर नवोदय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता योजना के तहत इसी श्रृंखला में 26वीं प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 के दौरान नवोदय विद्यालय समिति के भारतभर में फैले 8 क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले 88 विद्यालयों के बीच आयोजित की गई थी। युवा संसद योजना का उद्देश्य युवा पीढ़ियों में आत्म-अनुशासन, विविध विचारों के प्रति सहिष्णुता, अपने विचारों की सही अभिव्यक्ति और लोकतांत्रिक जीवन शैली के अन्य गुणों को विकसित करना है। इसके अलावा यह योजना छात्रों को संसद की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं, चर्चा व बहस की तकनीकों से भी परिचित कराती है और उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व के गुण तथा प्रभावी वक्तृत्व कला व कौशल विकसित करती है।

संसद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरतगढ़, श्रीगंगानगर-क्क्ष् राजस्थान (जयपुर क्षेत्र) को संसदीय मेरिट शील्ड और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

आत्मनिर्भर भारत दृष्टियोजना के अनुरूप, कौशल विकास पहल के तहत बनाई गई आठ लघु फिल्में भारत के उभरते नवाचार परितंत्र को दशार्ती हैं

एजेंसी
नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय का नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग नेटफ्लिक्स फंड फॉर क्रिएटिव इक्विटी द्वारा विकसित कौशल विकास पहल 'इंस्पायरिंग इनोवेटर्स झ्र नए भारत की नई पहचान' परिणति के रूप में सामने आई है। ग्राफीटी स्टूडियोज की साझेदारी में कार्यान्वित यह पहल, कहानी कहने और व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण द्वारा सामाजिक तौर पर प्रासंगिक नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए भारत के नवाचार और रचनात्मक परितंत्र को साथ जोड़ती है।

इस पहल में नवोन्मेष से सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा चयनित आठ भारतीय स्टार्टअप्स के योगदान को प्रदर्शित किया गया है। ये स्टार्टअप्स देश भर के आठ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आठ लघु एनिमेटेड फिल्मों द्वारा दर्शाए गए हैं। फिल्म निर्माण में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, चितकारा विश्वविद्यालय, सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान, और कई अन्य विश्वविद्यालय शामिल हैं। फिल्मों के लिए वॉइसओवर-पार्श्व स्वर, नेटफ्लिक्स और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम -एनएफडीसी के सहयोग से आरंभ की गई कौशल विकास पहल 'वॉइसबॉक्स' के प्रतिभागियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए हैं। नेटफ्लिक्स फंड फॉर क्रिएटिव इक्विटी के तहत कहानी कहने और कौशल विकास पर आधारित इस कार्यक्रम ने भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 26 छात्रों को व्यावहारिक रचनात्मक अनुभव प्रदान कराया। प्रतिभागियों में 50 प्रतिशत महिलाएं थीं और इनमें से कई प्रतिभागी श्रेणी-दो के शहरों से आए थे। उन्हें अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान-एनआईडी और ग्राफिटी स्टूडियो के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उद्योग प्रक्रियाओं का व्यावहारिक और वास्तविक अनुभव प्राप्त

हुआ। कार्यक्रम में सांस्कृतिक और रचनात्मक आयाम जोड़ते हुए शंकर महादेवन अकादमी के विद्यार्थियों ने पहल का मूल गान प्रस्तुत किया। सूचना एवं प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की समृद्ध कथा कहने की परंपरा में हमारे फिल्मकारों के पास आज भारतीय कहानियों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर है, जिसमें बौद्धिक संपदा ढांचे को सुदृढ़ करने और भविष्य के लिए तैयार सृजनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र सक्षम बनाने के लिए सरकार का सहयोग प्राप्त है। डॉ. मुरुगन ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पहल भारत में सृजन और विश्व के लिए सृजन करने का सही समय है, जिसमें विषयवस्तु, रचनाशीलता और संस्कृति भारत की अर्थव्यवस्था के प्रमुख स्तंभों के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब फिल्मकारों द्वारा कथा कहने के तरीके उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा आकारित नए युग में प्रवेश कर रही है, इंस्पायरिंग इनोवेटर्स जैसी पहल दशार्ती हैं कि सृजनशीलता का उपयोग समाज सेवा में किस तरह हो सकता है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने अपने संबोधन में कहा कि इंस्पायरिंग इनोवेटर्स कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक महत्व वाले नवाचारों को सामने लाना तथा कौशल एवं ज्ञान के विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सृजनात्मक प्रक्रिया द्वारा स्टार्टअप्स और विद्यार्थियों को साथ लाकर, और नेटफ्लिक्स फंड फॉर क्रिएटिव इक्विटी तथा उद्योग मार्गदर्शन के माध्यम से कौशल विकास सहायता प्रदान कर, यह भारत के नवाचार परितंत्र निर्मित करने का समग्र दृष्टिकोण दशार्ता है, जो नीतिगत उद्देश्यों को प्रतिभा विकास और वास्तविक दुनिया में उपयोग से जोड़ता है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू ने कहा कि भारत में कई उल्लेखनीय नवाचार हो रहे हैं, जिनमें आमतौर पर सामाजिक नवप्रवर्तक रोजमर्रा की चुनौतियों का प्रभावशाली और उद्देश्यपूर्ण समाधान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में नेटफ्लिक्स के एक दशक पूरा होने पर, 'इंस्पायरिंग इनोवेटर्स' इसका एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे कहानी कहने की कला दृश्य-श्रव्य निर्माण से आगे बढ़कर सार्थक कौशल विकास और सशक्तिकरण मंच के रुप में विकसित हो सकती है। यह देश भर की युवा प्रतिभाओं के आत्मविश्वास और उनकी व्यावसायिकता को दशार्ती है। यह वास्तव में सृजनकारों और उनके कथ्य कहने का युग है, और जब हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कथाओं को आकार देने के युग में प्रवेश कर रहे हैं, अगली पीढ़ी के विकास और प्रगति को सक्षम बनाने वाली नई तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। श्री जाजू ने कहा कि भारत की प्रासंगिक, उद्देश्यपूर्ण कहानियों को दूर-दराज के दर्शकों तक पहुंचते देखना उत्साहजनक है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की ग्लोबल अफेयर्स डायरेक्टर महिमा कौल ने कहा कि हम भारत के युवा और जीवंत रचनात्मक परितंत्र के कौशल विकास और इसके उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इंस्पायरिंग इनोवेटर्स वास्तविक सामाजिक सहयोग प्रदान करने वाले नवाचार को मान्यता देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता दशार्ता है। मंथन एक राष्ट्रीय डिजिटल आधार के रूप में कार्य करता है जो उच्च श्रेणी के नवाचारों की पहचान कर, उन्हें सुव्यवस्थित बनाता है और विस्तार के अवसर प्रदान करता है। मंथन प्लेटफॉर्म द्वारा आठ सामाजिक नवाचार स्टार्टअप्स की खोज की गई और उन्हें सहयोग दिया गया।

हिमाचल में बनेगी स्टेट न्यूट्रिशन पॉलिसी, कंडाघाट लैब को बनाया जाएगा विश्वस्तरीय: सीएम सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य में स्टेट न्यूट्रिशन पॉलिसी तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि इस नीति का उद्देश्य बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और अन्य संवेदनशील वर्गों को संतुलित और पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाना है। इसके लिए समयबद्ध और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे ताकि कुपोषण से जुड़ी समस्याओं पर नियंत्रित किया जा सके।

मुख्यमंत्री शिमला में स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियमन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कंडाघाट स्थित कंपोजिट टेस्टिंग लैब को विश्वस्तरीय हाई-एंड तकनीक से लैस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे खाद्य पदार्थों की जांच में अधिक सटीकता और दक्षता सुनिश्चित हो सकेगी। इसके साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और समय पर जांच के लिए पहले चरण में बद्दी, मंडी, कांगड़ा और शिमला शहर में क्षेत्रीय प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। दूसरे चरण में प्रदेश के सभी जिलों में ऐसी प्रयोगशालाएं खोली जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में न्यूट्रिशनल सर्विलांस को और मजबूत किया जाएगा। खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों की जांच कर उनकी प्रोफाइलिंग और मैपिंग की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनवाड़ी, मिड-डे मील और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत वितरित किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच की जाए। इसके लिए विभाग मोबाइल वैन का भी उपयोग करेगा ताकि जांच, जागरूकता और प्रशिक्षण से जुड़े कार्य सभी जिलों तक पहुंच सकें।

मुख्यमंत्री ने विभाग की कार्यप्रणाली को सरल और समयबद्ध बनाने के लिए आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने खाद्य सैंपलिंग, जांच के परिणाम और अन्य सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से करने के लिए एक स्टेट पोर्टल विकसित करने और स्टेट न्यूट्रिशन डेटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण लोगों में बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। इन दोनों मुद्दों पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है। इसी दिशा में प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और इससे जुड़े किसानों को विभिन्न योजनाओं के तहत प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ कर रही है। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में विश्वस्तरीय मानकों को अपनाया जा रहा है। सभी मेडिकल कॉलेजों में आईसीयू की व्यवस्था की जा रही है और अस्पतालों में बेहतर डॉक्टर-रोगी अनुपात सुनिश्चित किया जा रहा है।

एचआरटीसी की नई इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल, उपमुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के बेड़े में शामिल होने जा रही 297 नई इलेक्ट्रिक बसों से पहले ट्रायल के लिए लाई गई एक इलेक्ट्रिक बस का बुधवार को उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने निरीक्षण किया। यह बस एक प्रोटोटाइप के रूप में हिमाचल लाई गई है और पिछले कई दिनों से विभिन्न मार्गों पर इसका परीक्षण किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक बस का ट्रायल 8 जनवरी से चल रहा है। ट्रायल के दौरान पहले दिन बस को सोलन से अर्की वाया मांजू, दूसरे दिन सोलन से सराहा वाया नारग, तीसरे दिन शिमला से गिरीपुल वाया कुफरी-चायल, चौथे दिन शिमला से जयनगर वाया शालाघाट और पांचवें दिन शिमला से घड़काहन वाया मशोबरा मार्ग पर चलाया गया। इन मार्गों के चयन से पहाड़ी क्षेत्रों में बस की क्षमता और प्रदर्शन का आकलन किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बस के भीतर कुछ सुधार और बदलाव को लेकर कंपनी के प्रतिनिधियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा और हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बसों का निर्माण होना चाहिए। ट्रायल पूरा होने के बाद एचआरटीसी प्रबंधन कंपनी को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगा, जिसमें बस के अंदर किए जाने वाले आवश्यक सुधारों का उल्लेख होगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर नई 297 इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण किया जाएगा। प्रोटोटाइप बस की खासियत यह है कि यह 80 प्रतिशत बैटरी चार्ज पर करीब 180 किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है। यह बस हैदराबाद की कंपनी आलेक्ट्रा की ओर से ट्रायल के लिए भेजी गई है। बताया गया कि इसी कंपनी की इलेक्ट्रिक बसें पिछले करीब दस वर्षों से रोहतांग क्षेत्र में चल रही हैं।

इस मौके पर एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. निपुण जिंदल भी मौजूद रहे। वहीं, एचआरटीसी के डीएम देवासेन नेगी ने बताया कि वह स्वयं बस का ट्रायल ले रहे हैं और बस का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने खुद ट्रायल का निरीक्षण किया और कंपनी को जरूरी सुझाव दिए। निगम का मानना है कि इलेक्ट्रिक बसों के शामिल होने से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यात्रियों को भी बेहतर और आधुनिक परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

शिमला में चिट्टे के साथ पकड़ा गया बैंक कर्मचारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में पुलिस ने चिट्टे की तस्करी से जुड़े एक मामले में एक बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह मामला उस समय सामने आया जब पुलिस गश्त के दौरान इंजन घर के पास पहुंची और एक कार से चिट्टा बरामद किया गया। पुलिस कार्रवाई ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि नशे का जाल अब समाज के पढ़े-लिखे और नौकरीपेशा वर्ग तक फैलता जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, 13 जनवरी की शाम थाना संजौली की पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय सूत्र से सूचना मिली कि इंजन घर की कार पार्किंग में एक बैंक कर्मचारी चिट्टा बेचने की गतिविधियों में संलिप्त है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार नंबर एचपी-63डी-5700 (ह्यूंडई आई-20) की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से कुल 4.270 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

आरोपी की पहचान विक्रम सिंह ठाकुर (28) निवासी जुब्बल, जिला शिमला के रूप में हुई है। आरोपित एक निजी बैंक में कर्मचारी बताया गया है। पुलिस ने मौके पर वाहन को जब्त कर लिया है।

इस मामले में थाना संजौली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपित को कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस पर रिहा किया गया है और मामले की जांच थाना प्रभारी संजौली द्वारा की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपित किसी बड़े नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है या नहीं। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में चिट्टे की तस्करी और नशे के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। आए दिन पुलिस विभिन्न जिलों में चिट्टा तस्करों को पकड़ रही है। हाल ही में राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए चिट्टा तस्करी में संलिप्त पाए जाने पर 11 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह किसी भी पद या पेशे से जुड़ा क्यों न हो।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान तेज किया

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सुरक्षाबलों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के दूरदराज के गांवों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया है। एक आतंकवादी की मौजूदगी की सूचना के आधार पर मंगलवार को जब सुरक्षाबलों ने बिलावर तहसील के नाजोट वन क्षेत्र में अभियान शुरू किया तो कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं। आतंकी और सुरक्षाबलों के बीच कोई संपर्क नहीं हुआ।

अधिकारियों के मुताबिक ताजा जानकारी से पता चलता है कि आतंकी दुर्गम इलाके और अंधेरे का फायदा उठाकर घेराबंदी से भागने में कामयाब रहे। उन्होंने बताया कि जंगल में अंदर जाने से पहले आतंकियों ने करीब आधी रात को आसपास के इलाके में एक चरवाहे से खाना लिया।

उन्होंने बताया कि अलग-अलग दिशाओं में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और आतंकवादी और उसके सहयोगियों का पता लगाने के लिए नाजोट के आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों की घेराबंदी की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने भी राजबाग इलाके में जखोले बैरा और आसपास के गांवों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया जब एक स्थानीय व्यक्ति ने अपने मवेशी शेड के पास दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी।

अधिकारियों ने बताया कि हालांकि अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों का कोई पता नहीं चल पाया है। गणतंत्र दिवस से पहले आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पूरे जम्मू क्षेत्र में विशेषकर सीमावर्ती गांवों और ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

पिछले कुछ दिनों में सीमा पार से बार-बार होने वाली ड्रोन घुसपैठ भी एक बड़ी सुरक्षा चिंता के रूप में उभरी है, जिसके कारण संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठ के किसी भी प्रयास या हथियारों और नशीले पदार्थों को हवा से गिराने से रोकने के लिए गहन गश्त, क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास और रात की निगरानी की जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

उपराज्यपाल, उत्तरी सेना कमांडर ने सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस पर पूर्व सैनिकों को बधाई दी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने बुधवार को सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस के अवसर पर दिग्गजों को शुभकामनाएं दीं। सिन्हा ने दिग्गजों के प्रति आभार व्यक्त किया और सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं की वीरता को सलाम किया। उपराज्यपाल के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं वीर नारियों और दिग्गजों के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। उत्तरी कमान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शर्मा और उत्तरी कमान के सभी रैंकों ने 10वें सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस 2026 के अवसर पर सभी दिग्गजों, उनके परिवारों और वीर नारियों (रक्षा कर्मियों की पत्नियों, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन लगा दिया है) को शुभकामनाएं दीं। सिन्हा दिन में बाद में 10वीं सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस रैली को संबोधित करेंगे। भारतीय सेना ने मंगलवार को सीमावर्ती जिले राजौरी में दो दिवसीय पूर्व सैनिक रैली के साथ 10वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस समारोह की शुरूआत की जिसमें अपने दिग्गजों की सेवा और बलिदान का सम्मान करने के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी और सरदार पटेल विश्वविद्यालय के बीच शोध सहयोग हेतु एमओयू

शिमला। शैक्षणिक शोध, इतिहास एवं सांस्कृतिक अध्ययन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान, नेरी (हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश) तथा इतिहास विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद (गुजरात) के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह गरिमामयी कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय में संपन्न हुआ। समझौता ज्ञापन पर ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान, नेरी की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ. चेतराम गर्ग एवं इतिहास दिवाकर के संपादक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने हस्ताक्षर किए। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. निरंजनभाई पटेल, कुलसचिव डॉ. भाईलाल परसोतमभाई पटेल तथा इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. वसंत पटेल ने इस महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर कर औपचारिक सहयोग की शुरूआत की। एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त शोध परियोजनाओं, परिसंवादों, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं के आयोजन, संयुक्त प्रकाशनों तथा इतिहास, संस्कृति एवं क्षेत्रीय अध्ययन के क्षेत्र में सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और गुजरात सहित पश्चिम एवं उत्तर भारत की ऐतिहासिक विरासत, लोक परंपराओं, सामाजिक-सांस्कृतिक विकास और क्षेत्रीय इतिहास पर समन्वित अनुसंधान किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. चेतराम गर्ग ने कहा कि वर्ष 1954 में स्थापित, राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से प्रतिष्ठित सरदार पटेल विश्वविद्यालय के साथ औपचारिक शैक्षणिक साझेदारी स्थापित करना संस्थान के लिए गौरव का विषय है। यह एमओयू केवल प्रशासनिक सहमति नहीं, बल्कि भारतीय उच्च शिक्षा की उस परंपरा का विस्तार है जिसमें ज्ञान, शोध और राष्ट्रबोध का समन्वय निहित है। कुलपति प्रो. निरंजनभाई पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि यह समझौता भारतीय उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान परंपरा में सहयोग, समन्वय और साझा बौद्धिक उत्तरदायित्व की सशक्त अभिव्यक्ति है।

लद्दाख के मुख्य सचिव ने कारगिल हवाई अड्डे के कामकाज की समीक्षा की

कारगिल। लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने बुधवार को कारगिल हवाई अड्डे के कामकाज की समीक्षा की और इसके संभावित विस्तार के दायरे पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों ने कहा कि यात्रा के दौरान कमांडिंग ऑफिसर ने कुंद्रा को परिचालन और बुनियादी ढांचे के पहलुओं पर जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कारगिल के अतिरिक्त उपायुक्त को हवाई अड्डे की वर्तमान स्थिति और संभावित सीमा विस्तार की गुंजाइश पर प्रकाश डालते हुए एक मानचित्र के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने स्वदेशी दर्द आर्यन समुदाय के घर दारचिक्स गांव का भी दौरा किया जहां उन्होंने स्थानीय निवासियों और हितधारकों के साथ बातचीत की। स्थानीय प्रतिनिधियों ने कुंद्रा को गांव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, विशिष्ट पहचान, सामुदायिक जीवन और पारंपरिक भोजन प्रथाओं से अवगत कराया। मनोनीत पार्षद गुरमित रिग्जेन ने प्रमुख मांगों पर प्रकाश डालते हुए एक ज्ञापन सौंपा जिसमें कारगिल और लेह जिलों में आर्यन घाटी क्षेत्रों को एक ही जिले के तहत एकीकृत करना, कारगिल मुख्यालय में एक बौद्ध सराय की स्थापना और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आर्यन घाटी में एक आदिवासी मॉडल छात्रावास का निर्माण शामिल है।

मकर संक्रांति पर हिमाचल के तीर्थों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मकर संक्रांति और माघी पर्व के अवसर पर पूरे हिमाचल प्रदेश में आस्था, परंपरा और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों में हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। कुल्लू से लेकर शिमला, सिरमौर और बिलासपुर तक धार्मिक स्थलों में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

कुल्लू जिले के मणिकर्ण में गर्म पानी के कुंडों में आस्था की डुबकी लगाने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। वहीं बिलासपुर जिले के मार्कण्डेय मंदिर क्षेत्र में भी मकर संक्रांति पर बड़ी संख्या में लोगों ने पारंपरिक स्नान किया। ऊपरी शिमला के ठियोग क्षेत्र में स्थित हरिद्वार तुल्य प्रसिद्ध माईपुल तीर्थ में भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा, जहां लोगों ने ठंडे मौसम के बीच श्रद्धा के साथ स्नान किया।

सिरमौर जिले में स्थित अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तीर्थ श्री रेणुका जी में मकर संक्रांति पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। दिनभर मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं और विशेष पूजा-अर्चना की गई। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच स्थानीय विधायक भी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार रेणुका जी तीर्थ को और अधिक विकसित करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मंडी जिले में सतलुज नदी के किनारे स्थित प्रसिद्ध तीर्थ तत्तापानी में भी मकर संक्रांति पर खास रौनक रही। शिमला से करीब 56 किलोमीटर दूर इस स्थल पर सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। भीषण ठंड के बीच प्राकृतिक गर्म पानी के कुंडों में स्नान कर लोगों ने मकर संक्रांति का पुण्य लाभ लिया। यहां ब्रह्म मुहूर्त से शाही स्नान और तुलादान की परंपरा निभाई गई। मान्यता है कि तत्तापानी में स्नान करने से न केवल पुण्य मिलता है बल्कि त्वचा संबंधी रोगों में भी लाभ होता है।

तत्तापानी में खिचड़ी के प्रसाद की परंपरा भी इस दिन विशेष आकर्षण का केंद्र रही। करीब 97 वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत सूद परिवार की ओर से लगभग तीन क्विंटल खिचड़ी श्रद्धालुओं में वितरित की गई। बताया गया कि यह परंपरा उनके पूर्वज बिहारी लाल सूद ने शुरू की थी, जिसे आज भी परिवार निभा रहा है। तत्तापानी की खिचड़ी वितरण परंपरा वर्ष 2020 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हो चुकी है।

तत्तापानी का धार्मिक महत्व त्रेता युग से जुड़ा माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार यह क्षेत्र ऋषि जमदग्नि और भगवान परशुराम की तपोस्थली रहा है।

धार्मिक आस्था के साथ-साथ तत्तापानी वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां के पानी में गंधक की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो चर्म रोगों के लिए लाभकारी मानी जाती है। कोल डैम बनने के बाद पुराने स्रोत के डूब जाने पर भू-वैज्ञानिकों ने ड्रिलिंग के जरिए नए गर्म पानी के स्रोत खोजे और श्रद्धालुओं के लिए पक्के कुंड बनाए।

रास्ता रोककर मारपीट, वाहन में तोड़फोड़, एफआईआर दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के ननखड़ी थाना क्षेत्र में रास्ता रोकने, धमकी देने और वाहन को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला गांव बहाली निवासी 44 वर्षीय इंदर सिंह पुत्र मोहर सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। इंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि 12 जनवरी की शाम करीब साढ़े छह बजे वह तंगड़ी मोड़ के पास मौजूद थे। इसी दौरान ननखड़ी निवासी सुनील चौहान वहां पहुंचा और उनका रास्ता रोक दिया।

शिकायत के मुताबिक आरोपित ने इंदर सिंह के साथ गाली-गलौच की, उन्हें धमकाया और उनके वाहन नंबर एचपी-92-3363 को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके आधार पर मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने इस संबंध में बीएनएस की धारा 126(2), 351(2), 352 और 324(2) के तहत केस दर्ज किया है। थाना ननखड़ी पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि तथ्यों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भरोसा — 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा के बाद वार्ता में आ गया था गतिरोध

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने गृह मंत्रालय और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच आगामी वार्ता के संतोषजनक परिणाम की जताई उम्मीद

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बुधवार को गृह मंत्रालय (एमएचए) और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच आगामी वार्ता के संतोषजनक परिणाम की उम्मीद जताई और कहा कि बातचीत सभी मुद्दों को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है।

गृह मंत्रालय ने हाल ही में जनवरी के अंत में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है।

लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) संयुक्त रूप से लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और क्षेत्र में छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं और अतीत में एचपीसी के साथ कई दौर की बातचीत कर चुके हैं।

पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा के बाद वार्ता में गतिरोध आ गया था जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। केंद्र के साथ 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत को पहले करने के लिए दबाव डालने के लिए बुलाई गई आम हड़ताल के दौरान हिंसा भड़क उठी।

हालाँकि केंद्र द्वारा हिंसा की सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के आदेश के बाद 22 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों ने एमएचए की उप-समिति के साथ बातचीत की और बैठक में निर्णय के अनुसार एमएचए को अपनी मांगों पर एक विस्तृत दस्तावेज भी सौंपा।

ऐसी बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाती थीं। गृह मंत्रालय ने इस महीने के अंत में समिति की बैठक बुलाई है और मेरा मानना है कि सदस्यों को यह समझना चाहिए कि जो भी चर्चा की जाती है वह संविधान के ढांचे के भीतर और देश के हित में होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2019 से लद्दाख का विशेष ध्यान रखा है जब इस क्षेत्र को जम्मू-कश्मीर से अलग किया गया और केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया।

गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले साल ही आरक्षण और अधिवास से संबंधित मुद्दों को संबोधित कर चुकी है।

27 मई को एचपीसी की बैठक के बाद 3 जून को गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए नई आरक्षण और अधिवास नीतियों की घोषणा की जिसमें स्थानीय लोगों के लिए 85 प्रतिशत नौकरियां और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों में कुल सीटों में से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत जारी रहेगा।

नए नियमों के तहत जो लोग यूटी में 15 साल की अवधि तक रहे हैं या सात साल की अवधि तक अध्ययन किया है और यूटी में स्थित एक शैक्षणिक संस्थान में कक्षा 10 या 12 की परीक्षा में उपस्थित हुए हैं, वे यूटी के तहत या छावनी बोर्ड के अलावा किसी स्थानीय या अन्य प्राधिकारी के तहत किसी भी पद पर नियुक्ति के लिए लद्दाख के अधिवासी होंगे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

पशु डिस्पेंसरियों एवं अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण और मशीनें लगाएं : श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के जिन पशु अस्पतालों एवं पशु डिस्पेंसरियों में चिकित्सा उपकरणों व आधुनिक मशीनों की आवश्यकता है, उन्हें शीघ्र अपग्रेड कर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि पशुओं का समय पर और प्रभावी उपचार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पुराने और जर्जर भवनों के स्थान पर नए भवनों का निर्माण किया जाए, जिससे पशुपालन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो।

श्री राणा यहां अपने कार्यालय में पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पशुपालन विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- आम बजट में विभाग को आवंटित बजट की अब तक की खर्च स्थिति की समीक्षा की
- शेष बजट का निर्धारित समय-सीमा के भीतर पारदर्शी एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक के दौरान पशुपालन मंत्री ने पिछले वर्ष वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत आम बजट में विभाग को आवंटित बजट की अब तक की खर्च स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष बजट का निर्धारित समय-सीमा के भीतर पारदर्शी एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि पशुपालकों को अधिकतम लाभ मिल सके।

बैठक में मंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2020झ्21 से अक्टूबर 2025 तक राज्य की गौशालाओं को लगभग 390.31 करोड़ रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है। वहीं, बेसहारा पशुओं के पुनर्वास एवं बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 69.74 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसमें से 80.56 लाख रुपये पुनर्वसित बेसहारा पशुओं के लिए चारा अनुदान के रूप में वितरित किए जा चुके हैं। अनुसूचित जाति वर्ग के पशुपालकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। इस योजना के अंतर्गत अब तक 20,032 लाभार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। इसी प्रकार भेड़-बकरी पालन योजना के तहत 15 मादा व 1 नर इकाई की स्थापना पर 90 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिससे 3,891 लाभार्थियों को लाभ मिला है।

महिला लाभार्थियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 20 से 50 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित करने हेतु लिए गए बैंक ऋण पर ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 2, 4 और 10 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित करने पर 25 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत अब तक 14,168 डेयरी इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं।

राज्य में हरियाणा, साहीवाल और बेलाही जैसी देशी नस्लों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए अधिक दूध देने वाली गायों के पालकों को 5,000 रुपये से 20,000 रुपये प्रति पशु तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

पशुपालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए तथा पशुपालन ढांचे को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव में नजर आएगा देश की कला और संस्कृति का अनोखा रंग

सिटी दर्पण संवाददाता
पिहोवा

अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव में देश की कला और संस्कृति का अनोखा संगम और रंग देखने को मिलेगा। इस महोत्सव में देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न राज्यों के कलाकारों और शिल्पकारों का मेला देखने को मिलेगा। इस महोत्सव के मंच को 19 जनवरी से 25 जनवरी तक पिहोवा सरस्वती तीर्थ तट पर सजाया जाएगा। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच ने विशेष बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का आयोजन 19 जनवरी से 25 जनवरी तककिया जाएगा। इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 19 से 23 जनवरी तक रहेंगे और 19 जनवरी को आदिबद्री से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महोत्सव का शुभारंभ करेंगे, 20 से 21 जनवरीतक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दो सत्रों में सरस्वती पर तकनीकी सत्र और अंत में पैनल डिस्कशन होगी। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को राखी गढ़ी में बोर्ड की तरफ से प्रदर्शनी और वर्कशाप को आयोजन सुबह 10 बजे से 5 बजे तक होगा, 22 जनवरी को ही कुनाल में भी 10 बजे से लेकर 5 बजे तक प्रदर्शनी और वर्कशाप का आयोजन किया जाएगा। उपाध्यक्ष ने कहा कि 23 जनवरी को पिहोवा सरस्वती तीर्थ पर 31 कुंडीय हवन यज्ञ और मंत्रोच्चारण, 2100 विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना, सायं 6 बजे से 8 बजे तक दीप दान, भजन संध्या और सरस्वती आरती के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। बोर्ड के उपाध्यक्ष धूमन सिंह ने कहा कि समाज सेवी संस्थाओं के सहयोग से इस महोत्सव को भव्य और यादगार बनाना है। इस महोत्सव को विशेष पहचान दिलाने के लिए 19 जनवरी से 25 जनवरी तक सरस मेला चलेगा। इस सरस मेला में हरियाणा के साथ-साथ आसपास के राज्यों के शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है और श्रेष्ठ 100 शिल्पकार इस महोत्सव में अपनी शिल्पकला को सजाएंगे। इस महोत्सव के मंच पर लोगों को विभिन्न राज्यों की शिल्पकला के एक साथ दर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि शिल्पकला के साथ-साथ देश और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल, पंजाब सहित अन्य राज्यों के कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। यह कलाकार अपने-अपने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को गीतों और नृत्यों के माध्यम से सबके समक्ष रखेंगे। इस प्रकार पिहोवा सरस्वती तीर्थ स्थल के पावन तट पर सांस्कृतिक और कला का अनोखा संगम देखने को मिलेगा।

केयू में पवित्र सरस्वती नदी को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस 20 से

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में देश-विदेश के विद्वतजन, बुद्धिजीवी सरस्वती नदी को लेकर करेंगे मंथन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डेवलेपमेंट बोर्ड, पंचकुला व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सरस्वती शोध उत्कृष्टता केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में पवित्र नदी सरस्वती को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन 20 जनवरीसे केयू सीनेट हॉल व ऑडिटोरियम हॉल में किया जाएगा।

इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में देश-विदेश के विद्वतजन एवं बुद्धिजीवी ह्यसरस्वती नदी - भारतीय ज्ञान प्रणाली और संस्कृति की जननीह्न विषय पर मंथन करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, हरियाणा सरस्वती विरासत विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमिच तथा बोर्ड के सीईओ डॉ. कुमार सुप्रविन की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

यह जानकारी देते हुए केयू सरस्वती शोध उत्कृष्टता केन्द्र के निदेशक एवं केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं जियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एआर चौधरी ने बताया कि भारतवर्ष में सरस्वती नदी की आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अहम पहचान रही है। इसका उल्लेख वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत आदि पौराणिक भारतीय साहित्य में मिलता है।

वहीं ऋग्वेद में, सरस्वती नदी को पवित्र एवं सबसे बड़ी नदी भी बताया गया है।

कांग्रेस की विचारधारा को गांव, कस्बों और शहरों तक पहुँचाना समय की आवश्यकता: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने हरियाणा एवं उत्तराखंड के नव नियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुरुक्षेत्र पहुँचे। इस अवसर पर सिरसा की सांसद व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को गांव, कस्बों और शहरों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना समय की आवश्यकता है। जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर जनसंवाद से ही संगठन मजबूत होगा। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेश को साझा करते हुए संगठनात्मक एकजुटता, अनुशासन और सक्रिय जनसंपर्क को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन सृजन कार्यक्रम के उपरांत आयोजित किया गया है, जिसमें हरियाणा और उत्तराखंड के जिलाध्यक्ष सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान कांग्रेस की वर्तमान स्थिति, विचारधारा और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर गहन विचार-विमर्श होगा। साथ ही फील्ड विजिट के माध्यम से गांवों में जाकर जमीनी वास्तविकताओं को समझा जाएगा ताकि इन अनुभवों के आधार पर भविष्य की रणनीति तय की जा सके। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रशिक्षण एवं कांग्रेस संदेश के प्रभारी सचिन राव, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह तथा थानेसर से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, कुमारी सैलजा ने लोहड़ी के पावन अवसर पर कांग्रेस नेता अर्जुन सिंह के कुरुक्षेत्र स्थित निवास पर कांग्रेसजनों एवं परिवारजनों से भेंट कर लोकपर्व लोहड़ी मनाया। उन्होंने कहा कि लोहड़ी आपसी सौहार्द, एकता और नई ऊर्जा का प्रतीक है।

सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेशवासियों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि ये पर्व हमें प्रकृति से जोड़ने के साथ ही अपनों से भी जोड़ते हैं। आपसी मेलजोल बढ़ता है। नई पीढ़ी को हमारे सांस्कृतिक जीवन के बारे में जानकारी मिलती है। एकजुटता की भावना प्रबल होती है। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से कामना है कि यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

संक्षिप्त-समाचार

राज्य स्तरीय सब जूनियर व जूनियर हॉकी टीम का चयन 19 जनवरी को द्रोणाचार्य स्टेडियम में

कुरुक्षेत्र। हॉकी कुरुक्षेत्र के महासचिव गुरविंद्र सिंह ने कहा कि हॉकी हरियाणा की तरफ से नरवाना में 23 जनवरी से 28 जनवरी तक सब जूनियर और जूनियर हॉकी की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कुरुक्षेत्र जिला की टीमों का भी चयन किया जाएगा। उन्होंने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नरवाना में होने वाली सब जूनियर व जूनियर हॉकी की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कुरुक्षेत्र की सब जूनियर और जूनियर टीम के लिए चयन ट्रायल 19 जनवरी को दोपहर 3 बजेद्रोणाचार्य स्टेडियम में किया जाएगा। सभी हॉकी खिलाड़ी जरुरी दस्तावेजों के साथ हॉकी प्रशिक्षक सोहन लाल को रिपोर्ट करेंगे।

एमडीयू में ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी वीमेन टेनिस टूनार्मेंट 17 जनवरी से

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में 17 से 21 जनवरी, 2026 तक ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी वीमेन टेनिस टूनार्मेंट का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों के प्रबंधकों की बैठक 16 जनवरी को दोपहर 1:00 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतियोगिता से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि टूनार्मेंट के सफल एवं सुचारु आयोजन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस टूनार्मेंट में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की उत्कृष्ट महिला टेनिस खिलाड़ी भाग लेंगी।

हरियाणा सरकार ने ईडब्ल्यूएस की आय सीमा बढ़ाई

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए वार्षिक पारिवारिक आय सीमा को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। यह निर्णय केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से इस संबंध में पत्र जारी कर दिया गया है। संशोधित आय सीमा राज्य में सिविल पदों और सेवाओं में प्रत्यक्ष भर्ती तथा सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण पर लागू होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 25 फरवरी, 2019 को जारी आदेशों के तहत ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए सालाना आय सीमा 6 लाख रुपये निर्धारित की गई थी। इस विषय की समीक्षा के बाद, अब सरकार ने आय सीमा को बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष करने का निर्णय लिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आय सीमा में संशोधन के अलावा, पूर्व में जारी निर्देश यथावत रहेंगे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को मिला सम्मान व स्वास्थ्य सुरक्षाः कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीब एवं वंचित परिवारों की महिलाओं को धुएं से मुक्त रसोई उपलब्ध कराना है, ताकि उनके स्वास्थ्य की रक्षा के साथ-साथ जीवन स्तर में भी सुधार हो सके। श्री बेदी ने आज जिला फतेहाबाद के गांव समैन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को गैस सिलेंडर एवं गैस चूल्हे वितरित किए। श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को बिल्कुल निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को मिलेगा, जिनके परिवार में पहले से किसी भी सदस्य के नाम एलपीजी गैस कनेक्शन नहीं था। इस योजना के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र परिवार स्वच्छ ईंधन के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं लकड़ी, उपले और अन्य परंपरागत ईंधनों से खाना बनाने को मजबूर थीं, जिससे धुएं के कारण आंखों और फेफड़ों से संबंधित गंभीर बीमारियां होती थीं।

मिलेट्स पोषण से भरपूर होने के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में हैं अत्यंत सहायक: सम्वर्तक सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सिविल सचिवालय के अतिरिक्त सचिव (स्थापना) श्री सम्वर्तक सिंह ने कहा कि मिलेट्स पोषण से भरपूर होने के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में अत्यंत सहायक हैं।

श्री सम्वर्तक सिंह आज पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ सीआईएसएफ कैंप परिसर में आयोजित मिलेट मेला के उद्घाटन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से आमजन को संतुलित एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है और सीआईएसएफ द्वारा इस दिशा में किया गया यह प्रयास सराहनीय है। इस कार्यक्रम के दौरान पीजीआई के आहार विशेषज्ञ विभाग से डॉ. कुमारी मुस्कान एवं डॉ. एंजल प्रीत ने उपस्थित अधिकारियों, सीआईएसएफ के बल सदस्यों तथा उनके परिवारजनों को मिलेट्स के सेवन, उनकी उचित मात्रा एवं स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि नियमित एवं संतुलित मात्रा में मिलेट्स का सेवन करने से मधुमेह, हृदय रोग तथा पाचन संबंधी समस्याओं में लाभ मिलता है और यह संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी है। मिलेट मेले में विभिन्न प्रकार के मिलेट उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को इनके उपयोग, पोषण मूल्य एवं दैनिक जीवन में शामिल करने के तरीकों को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ सीआईएसएफ ईकाई के कमांडेंट श्री ललित पंवार, अधिकारी व बल सदस्य मौजूद रहे।

औसत बिलिंग और अत्यधिक बिल जारी करने पर आयोग ने उपभोक्ताओं को मुआवजा देने के दिए आदेश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने यूएचबीवीएन से जुड़े मामलों में लंबे समय तक औसत आधार पर बिजली बिल जारी करने और बाद में एकमुश्त अत्यधिक राशि के बिल थमाने को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही करार दिया है।

आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि बहादुरगढ़ के एक मामले में आयोग ने पाया कि उपभोक्ता को लंबे समय तक बिल प्राप्त नहीं हुए या माइनस बिल जारी किए गए, जिनका भुगतान संभव नहीं था। इसके पश्चात अचानक लगभग 2.38 लाख रुपये का बिल जारी कर दिया गया। शिकायत के बाद भी सुधार चरणबद्ध और अधूरा किया गया, जिससे संबंधित अधिकारियों की गैर-जिम्मेदाराना कार्यप्रणाली उजागर होती है। आयोग ने यह भी माना कि विद्युत आपूर्ति संहिता के तहत अनिवार्य पूर्व सूचना और न्यूनतम समय-सीमा का पालन नहीं किया गया।

हरियाणा सेवा अधिकार अधिनियम, 2014 की धारा 17(1)(ह) के तहत दंडात्मक शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग ने गलत संड्री तैयार करने वाले दो सीए अधिकारियों पर 5,000 रुपये का जुमार्ना लगाने तथा प्रत्येक द्वारा उपभोक्ता को 1,000 रुपये का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त, गलत संड्री को स्वीकृति देने वाले एसडीओ अधिकारियों के प्रति असंतोष दर्ज करते हुए उनके नाम आयोग के रिकॉर्ड में दर्ज किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

आयोग ने यह भी आदेश दिया कि जुलाई 2022 से गलत रूप से जारी किए गए प्रत्येक बिलिंग चक्र के लिए उपभोक्ता को 500 रुपये की दर से अतिरिक्त मुआवजा दिया जाए। यह राशि प्रारंभ में निगम अपने कोष से देगा, जिसे बाद में दोषी एजेंसी या अधिकारियों से वसूला जा सकेगा।

हिसार जिले के एक अन्य मामले में उपभोक्ता के दो बिजली खातों में मार्च 2020 से फरवरी 2024 तक औसत आधार पर बिल जारी किए गए। जहां पहले लगभग 160 यूनिट की द्विमासिक खपत के बिल आते थे, वहीं बाद में एक खाते में लगभग 45,000 यूनिट दशार्ते हुए तीन लाख रुपये से अधिक का बिल और दूसरे खाते में लगभग 20,000 यूनिट की खपत दिखाकर 98 हजार रुपये का बिल जारी कर दिया गया। आयोग ने इसे उपभोक्ता पर अत्यधिक आर्थिक बोझ डालने वाला और गंभीर मानसिक पीड़ा का कारण बताया।

आयोग ने यह भी पाया कि विद्युत आपूर्ति संहिता, 2014 के प्रावधानों के अनुसार न तो उपभोक्ता को पूर्व सूचना दी गई और न ही भुगतान के लिए न्यूनतम 30 दिनों का समय दिया गया। अत्यधिक बिलिंग के कारणों को भी स्पष्ट नहीं किया गया।

मत्स्य पालकों को अपनी मछली बेचने के लिए उनके नजदीक मार्किट उपलब्ध करवाने की कार्य योजना तैयार करें : राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण तथा मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य के मत्स्य पालकों को अपनी मछली बेचने के लिए उनके नजदीक मार्किट उपलब्ध करवाने की कार्य योजना तैयार करें ताकि उनको दूर दराज के क्षेत्र में बिक्री के लिए न जाना पड़े। श्री राणा आज यहां अपने कार्यालय में मत्स्य पालन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठक में चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मत्स्य पालन मंत्री ने गत वर्ष के बजट के दौरान मत्स्य पालन विभाग को अलॉट किये गए बजट के उपयोग की बाबत पूछा तथा विभिन्न योजनाओं के लिए आगामी बजट हेतु धन की डिमांड करने की रुपरेखा बनाने के निर्देश दिए। श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रख कर योजनाओं को तीव्रगति से अमलीजामा पहनाएं। उन्होंने मत्स्य पालन के लिए तैयार किये जाने वाले तालाबों पर सोलर लाइट लगाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए , इससे जहां बिजली खर्च में कटौती होगी वहीं प्रदूषण भी कम होगा। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि खारे पानी में सफेद झींगा पालन को प्रोत्साहित करने हेतु 98.90 करोड़ रुपये की लागत से जिला भिवानी के गांव गरवा तथा जिला सिरसा में ृइंटीग्रेटिड अकवा पार्क सेंटर ऑफ एक्सीलेंसरृ का निर्माण किया जा रहा है। वेलफेयर ऑफ सडूल्ड कास्ट फैमिलीज अंडर फिशरीज सेक्टर स्कीम के अधीन मत्स्यकों / मत्स्य पालकों को जाल खरीद हेतु अधिकतम लागत 40,000 रुपये पर 60 प्रतिशत की दर से अनुदान प्रदान किया जा रहा है। राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए मत्स्य पालकों के लाभ के लिए बनाई गई सभी योजनाओं को जल्द से जल्द मूर्त रूप दें ताकि उनकी आमदनी और अधिक बेहतर हो सके।

गुरु रविदास की 649 वीं जयंती पर उमरी में होगा भव्य और विशाल राज्य स्तरीय समारोह: कृष्ण लाल पंवार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित होने वाली संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती भव्य और विशाल होगी। हरियाणा सरकार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती को पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाएगी। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह 31 जनवरी को कुरुक्षेत्र जिले के उमरी में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार स्वयं करेंगे।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार बुधवार को कुरुक्षेत्र के पीपली पैराकीट में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सत्यप्रकाश जरावता भी मौजूद रहे। बैठक में बाद विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ-साथ प्रदेशभर के सामाजिक, धार्मिक संगठनों और आम नागरिकों को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा, ताकि गुरु रविदास के विचारों और संदेशों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के महान संत थे। उन्होंने अपने उपदेशों और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और जातिगत असमानता के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई। गुरु रविदास के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और समानता का संदेश देने के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों की शिक्षाओं और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ह्यसंत-महापुरुष विचार प्रसार एवं सम्मान योजनाह्न के तहत निरंतर उनकी जयंती और स्मृति समारोह आयोजित करती आ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार का उद्देश्य है कि नई पीढ़ी संत-महापुरुषों के जीवन, विचारों और कार्यों से प्रेरणा लेकर सही दिशा में आगे बढ़े।

प्रदेश स्तरीय समारोह में प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचेंगे सभी समाज के लोग

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास किसी एक समाज के संत नहीं थे, वो समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए कार्य करने वाले रहे हैं। ऐसे महान संत की 649वीं जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में प्रदेश के कोने-कोने से सभी समाज के लोग पहुंचेंगे। इसके साथ ही अन्य प्रदेशों से प्रमुख संत समाज व बुद्धिजीवी भी समारोह में हिस्सा लेंगे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल व पार्किंग को लेकर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यातायात में किसी भी व्यक्ति को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हाईवे नजदीक होने के चलते सुरक्षा का विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही पार्किंग स्थल कार्यक्रम के नजदीक बनाया जाए, ताकि लोगों को पहुंचने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

संपादकीय

शक्सगाम घाटी में बढ़ता तनाव: भारत-चीन आमने-सामने, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर संकेत

शक्सगाम घाटी को लेकर भारत और चीन का आमने-सामने आना केवल एक सीमित सीमा विवाद नहीं, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, क्षेत्रीय सुरक्षा और एशिया की बदलती भू-राजनीतिक संरचना से जुड़ा गंभीर विषय है। हालिया घटनाक्रमों ने इस संवेदनशील इलाके को फिर से केंद्र में ला खड़ा किया है और यह संकेत दिया है कि भारत-चीन संबंधों में तनाव अब केवल वास्तविक नियंत्रण रेखा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसके दायरे में वे क्षेत्र भी आ रहे हैं जिन पर भारत ऐतिहासिक और कानूनी रूप से अपना दावा करता है।शक्सगाम घाटी, जिसे ट्रांस-काराकोरम ट्रैक्ट के नाम से भी जाना जाता है, भौगोलिक रूप से जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से में आती है जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा रहा है। वर्ष 1963 में पाकिस्तान ने एक विवादित और अंतरराष्ट्रीय कानून की दृष्टि से कमजोर समझौते के तहत इस क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा चीन को सौंप दिया था। भारत ने तब भी इस समझौते को अवैध बताया था और आज भी उसका स्पष्ट रुख है कि पाकिस्तान को भारत की भूमि पर किसी भी प्रकार का हस्तांतरण करने का अधिकार नहीं था। इसी बिंदु से चीन की मौजूदगी भारत की संप्रभुता को सीधे चुनौती देती है।पिछले कुछ वर्षों में चीन ने शक्सगाम घाटी और आसपास के इलाकों में अपनी गतिविधियों को तेज किया है। सड़कों के निर्माण, सैन्य ढांचे के विस्तार और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की खबरें सामने आई हैं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन गतिरोध अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव ने दोनों देशों के रिश्तों में अविश्वास की खाई और गहरी कर दी है। शक्सगाम घाटी में चीन की सक्रियता इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत वह हिमालयी क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की भूमिका भी अहम और चिंताजनक है। चीन-पाकिस्तान रणनीतिक साझेदारी पहले से ही गहरी रही है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी उढएउ है, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। शक्सगाम घाटी में चीन की मौजूदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि यह साझेदारी केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं, बल्कि इसके सैन्य और रणनीतिक आयाम भी हैं। भारत के लिए यह स्थिति एक दोहरी चुनौती पैदा करती है, जहां उसे उत्तर में चीन और पश्चिम में पाकिस्तान के संभावित समन्वित दबाव का सामना करना पड़ सकता है।शक्सगाम घाटी का रणनीतिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सैन्य दृष्टि से भी अत्यधिक है। यह इलाका काराकोरम पर्वतमाला के निकट स्थित है, जो प्राकृतिक रूप से एक मजबूत रक्षा कवच प्रदान करता है। इस क्षेत्र पर प्रभाव या नियंत्रण से चीन को मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के बीच संपर्क के वैकल्पिक रास्ते मिल सकते हैं। इससे न केवल भारत की रणनीतिक गहराई प्रभावित हो सकती है, बल्कि भविष्य में किसी भी संघर्ष की स्थिति में संतुलन भी बदल सकता है। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है कि शक्सगाम घाटी भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां किसी भी प्रकार की एकतरफा गतिविधि स्वीकार्य नहीं है। कूटनीतिक स्तर पर भारत ने चीन के सामने आपत्ति दर्ज कराई है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपने दावे को दोहराने के संकेत दिए हैं। हालांकि, केवल कूटनीतिक विरोध पर्याप्त नहीं माना जा सकता। सीमा से जुड़े अनुभव बताते हैं कि जब तक कूटनीति के साथ-साथ ठोस रणनीतिक और सैन्य तैयारी नहीं होती, तब तक ऐसे दबाव प्रभावी ढंग से रोके नहीं जा सकते। इसी संदर्भ में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष जोर दिया है। सड़कें, सुरंगें, पुल और हवाई पट्टियों का निर्माण तेजी से किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में सेना की त्वरित तैनाती और रसद आपूर्ति में बाधा न आए। शक्सगाम घाटी से जुड़ी चिंताओं के बीच ये प्रयास और अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसके साथ ही भारत अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ रक्षा सहयोग और सैन्य अभ्यास भी बढ़ा रहा है, जिससे क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखा जा सके।चीन की नीति को केवल भारत के साथ सीमा विवाद के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। यह उसकी व्यापक वैश्विक और क्षेत्रीय रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह पड़ोसी देशों पर दबाव बनाकर अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है। दक्षिण चीन सागर, ताइवान, और अब हिमालयी सीमाएं–हर जगह उसका रवैया आक्रामक और दबाव आधारित रहा है। शक्सगाम घाटी में उसकी बढ़ती गतिविधियां इसी नीति की निरंतरता को दशार्ती हैं।भारत के लिए यह स्थिति एक स्पष्ट चेतावनी है कि सीमाई विवाद अब केवल कूटनीतिक चचार्ओं या नक्शों तक सीमित नहीं रहे हैं। वे धीरे-धीरे जमीनी हकीकत का रूप ले रहे हैं। ऐसे में भारत को न तो किसी तरह की जल्दबाजी दिखानी चाहिए और न ही किसी प्रकार की नरमी, जो उसके दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सके। संतुलित कूटनीति, मजबूत रक्षा तैयारी और स्पष्ट रणनीतिक दृष्टिकोण ही इस चुनौती का प्रभावी उत्तर हो सकता है। अंततः, शक्सगाम घाटी पर भारत-चीन आमने-सामने होना केवल वर्तमान का संकट नहीं, बल्कि भविष्य की संभावित चुनौतियों का संकेत है। यह भारत के लिए आत्ममंथन और रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी है। राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है कि भारत अपने ऐतिहासिक दावों, अंतरराष्ट्रीय कानून और जमीनी तैयारियों–तीनों को समान रूप से मजबूती प्रदान करे। तभी वह इस जटिल और संवेदनशील चुनौती का सामना आत्मविश्वास और स्थिरता के साथ कर सकेगा।

मकर संक्रांति: सृष्टि में ऊर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व

मृत्युंजय दीक्षित (हि.स.)

शीत ऋतु के मध्य जब सूर्यदेव धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उनकी उत्तरायण गति प्रारम्भ होती है, तब मकर संक्रांति होती है। यह पर्व सृष्टि में उर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व है। मकर संक्रांति के दिन जप, तप, दान, स्नान, श्रद्धा, तर्पण आदि धार्मिक विधि विधान व कर्मों का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन दिया गया दान सौ गुना बढ़कर प्राप्त होता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, गौ, स्वर्ण, ऊनी, वस्त्र, कम्बल आदि दान के साथ गंगा स्नान एवं गंगातट पर दान का विशेष महत्व है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है।

संक्रांति से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं। इस पर्व का का सम्बन्ध हमारे पौराणिक इतिहास से भी है। इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। महाभारत काल में इसी दिन भीष्म पितामह ने अपनी देह का त्याग किया था। आज ही के दिन गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी और यही कारण है कि इस पर्व को बुराइयों और नकारात्मकता समाप्त करने का पर्व कहा जाता है।

वैज्ञानिक मान्यता है कि इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सूर्य का ताप बढ़ने लगता है। दिन बड़ा होने से प्रकाश का वातावरण अधिक होता है अतः सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना गया है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चैतन्यता एवं कार्यशक्ति में वृद्धि होती हैं। इस अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सूर्य देव की उपासना, आराधना एवं पूजन करने का विधि-विधान है।

हरियाणा और पंजाब में यह पर्व लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल गुड़ चावल और भुने हुए मुक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिल चौली कहा जाता है। इस दिन पारम्परिक मक्के की रोटी व सरसों के साग का आनंद भी उठाया जाता है।

उत्तर प्रदेश में यह पर्व दान का पर्व है। तीर्थराज प्रयाग में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर विशाल मेला लगता है, जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है।उसी दिन से मांगलिक कार्यों भी आरम्भ हो जाते है। माघ मेला स्नान पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक चलता है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर में विशाल मेला लगता है जो खिचड़ी मेले के नाम से प्रसिद्ध है।

इस अवसर पर नेपाल के राज परिवार की ओर से गोरक्षनाथ को प्रथम खिचड़ी अर्पित होती है। राज्य की सभी नदियों के तट पर स्नान तथा व दान पर्व होता है। इस दिन दान के उपरांत खिचड़ी खाने एवं खिलाने का बड़ा महत्व है। तमिलनाडु में इस पर्व को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है। जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्यदेव को भोग लगाया जाता है। कर्नाटक, केरल व आंध्रप्रदेश में इसे संक्रांति ही कहते हैं। बिहार में भी इस पर्व को खिचड़ी नाम से ही जाना जाता हैं। महाराष्ट्र में भी यह पर्व बड़े धूमधाम व उमंग के साथ मनाया जाता है यहाँ इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़ एवं रोली और हल्दी बांटती है।

वहीं, बगाल में इस पर्व पर तिल दान करने की प्रथा है। यहां गंगासागर में प्रतिवर्ष विशाल मेला लगता है। असम में मकर संक्रांति को माघ बिहु अथवा भोगाली बिहू के नाम से मनाया जाता हैं। गुजरात में मकरसंक्रांति पर दान स्नान के साथ साथ पतंग उड़ाने का भी प्रचलन है जिसमें भारी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक तथा बड़ी-बड़ी हस्तियां हिस्सा लेती हैं।

मकर सक्रांति का पर्व पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ने वाला उत्साह, उमंग और उल्लास का पर्व है। यह समाज को सकारात्मक विचार प्रदान करने वाला पर्व है। सामाजिक एकीकरण का पर्व है। हिन्दुओं की साझी परंपरा का पर्व है।

हमें इस आध्यात्मिक ऊर्जा से भरे पर्व की राष्ट्रीय सार्थकता को समझते हुए इसके मूल स्वरूप को बचाए रखने का प्रण लेकर इसे उपभोक्तावाद से संरक्षित करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने हेतु सक्रिय एवं कारगर निगरानी

अल्केश कुमार शर्मा

बुनियादी ढांचा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य वाहकों में से एक है। गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बेहतर सेवाओं के लिए निरंतर मांग पैदा करता है। यह क्षेत्र भारत के समग्र विकास को आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है और पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत की विभिन्न परियोजनाओं के तेज विकास का एक आधार रहा है। सरकार पूरी प्राथमिकता के साथ इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही है। यह तथ्य इस वर्ष 11.1 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन और देश में समय पर विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण सुनिश्चित करने वाली नीतियों की शुरुआत से स्पष्ट होता है। ‘मेक इन इंडिया’, आत्मनिर्भर भारत, पीएम गतिशक्ति, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लचीले नियमों और तकनीकी उन्नति जैसी अनुकूल नीतिगत पहलों के साथ, इस क्षेत्र के और भी तेजी से विकसित होने की उम्मीद है।

केरल और भारत सरकार में विभिन्न भूमिकाओं में तीस वर्षों से अधिक समय तक परियोजना कार्यान्वयन से जुड़े रहने और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं को संभालने के दौरान, मैंने विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली विभिन्न बाधाओं का सामना किया है। परियोजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली कुछ प्रमुख चुनौतियों में भूमि अधिग्रहण और नियामक संबंधी मंजूरियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, व्यापक प्रारंभिक योजना एवं जोखिम प्रबंधन का अभाव और सबसे महत्वपूर्ण बात, ऐसे कारकों के लिए पर्याप्त योजना बनाने हेतु परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं की अपरिपक्वता शामिल हैं।

परियोजनाओं के समय पर पूरा होने में बाधा डालने वाली अन्य समस्याओं में कच्चे माल की अनुपलब्धता, कुशल श्रमिकों (राजमिस्त्री, बढ़ई आदि) की अनुपलब्धता, पानी एवं बिजली की आपूर्ति का अभाव, अपूर्ण आरेख (ड्राइंग) उपलब्ध होना और डिजाइन में बार-बार होने वाले बदलाव शामिल हैं। स्थानीय समस्याओं और उचित परियोजना नियोजन एवं नियंत्रण के अभाव के कारण परियोजनाओं के पूरा होने में देरी होती है और इससे अर्थव्यवस्था पर समग्र रूप से नकारात्मक असर पड़ता है।

बुनियादी ढांचे की बड़ी परियोजनाएं जटिल होती हैं तथा इनमें कई राज्यों, कई क्षेत्रों एवं कई एजेंसियों की भागीदारी होती है और इसके लिए विभिन्न केन्द्रीय व राज्य एजेंसियों से कई बार मंजूरी लेनी पड़ती है। इसलिए समय की देरी और लागत में वृद्धि आम बात है।

यूं तो विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की अलग-अलग पद्धतियां और निगरानी तंत्र अपनाए गए, लेकिन वे एक-दूसरे से अलग-अलग काम करते लगे और उनके एवं राज्य सरकारों के बीच कोई कारगर समन्वय नहीं था। मार्च 2015 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक आईसीटी-आधारित मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म ‘प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन’ (प्रगति) का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं में होने वाली देरी को खत्म करने और आम आदमी की शिकायतों को दूर करने के साथ-साथ भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और राज्य सरकारों द्वारा इंगित की गई परियोजनाओं की निगरानी करना भी था। प्रधानमंत्री ने ‘प्रगति’ को केन्द्र - केन्द्र और केन्द्र-राज्य समन्वय को बेहतर बनाने के एक व्यापक समाधान के रूप में तैयार किया।

इसके शुभारंभ के समय उन्होंने कहा कि भारत में शासन को और अधिक कुशल एवं जवाबदेह बनना होगा तथा यह नया प्लेटफॉर्म उसी दिशा में एक कदम है। ‘प्रगति’ को तकनीक-आधारित एक ऐसी प्रणाली के रूप में विकसित किया गया, जो बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की निगरानी करने, सरकारी योजनाओं की समीक्षा करने और एक ही डिजिटल धरातल पर नागरिकों की शिकायतों का आकलन करने में सक्षम है।

शुरू से ही, ‘प्रगति’ के तंत्र ने विभिन केन्द्रीय मंत्रालयों व राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग से परियोजनाओं की निगरानी और शिकायतों के निवारण के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया है। अब तक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 50 समीक्षा बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिव और केन्द्रीय विभागों के सचिव खास परियोजनाओं तथा योजनाओं में आने वाली समस्याओं एवं बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से शामिल होते हैं। यह प्लेटफॉर्म एक आगे बढ़ने वाले फोरम के तौर पर भी काम करता है, जहां नियमित समस्याओं से मंत्रालय स्तर पर निपटा जाता है, जबकि जटिल मामलों को अंतिम समाधान के लिए प्रधानमंत्री के सामने रखा जाता है। सरकार ने 500 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित निगरानी हेतु एक परियोजना निगरानी प्रणाली और प्रधानमंत्री कार्यालय में एक परियोजना निगरानी समूह भी बनाया है, ताकि उन परियोजनाओं की समीक्षा और पहचान की जा सके जिन्हें ‘प्रगति’ के तहत लिया जाना है। मैं दोनों से ही जुड़ा रहा। बैठक के बाद फॉलो-अप कैबिनेट सचिवालय द्वारा सुनिश्चित किया जाता है ताकि ‘प्रगति’ की बैठकों में लिए गए फैसले धरातल पर समय पर उतर सकें।

इसके शुभारंभ होने के एक दशक से अधिक समय में, 85 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 3300 से अधिक परियोजनाओं की निगरानी की गई है और उन्हें सफलतापूर्वक पूरा करने हेतु कामकाज में तेजी लाई गई है। ‘एक देश, एक राशन कार्ड’, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी 61 प्रमुख सरकारी योजनाओं की समीक्षा इस प्लेटफॉर्म पर की गई है। बैंकिंग एवं बीमा, रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) और कोविड से संबंधित मामलों सहित 36 क्षेत्रों में शिकायतों का मूल्यांकन भी इस प्रणाली के जरिए किया गया है। ‘प्रगति’ और पीएमजी पोर्टल पर उठाए गए लगभग 7700 मुद्दों में से, 7100 से अधिक मुद्दे पहले ही हल किए जा चुके हैं। यह समाधान की 92 प्रतिशत से अधिक की दर को दशार्ता है। प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की गई ‘प्रगति’ की परियोजनाओं में, 3187 मुद्दे उठाए गए और 2958 हल किए गए। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि कामकाज के हर दिन एक मुद्दा हल किया गया। ये आंकड़े यह दशार्ते हैं कि कैसे इस प्लेटफॉर्म ने सरकारी कामकाज के कार्यान्वयन में तेजी लाई है और जवाबदेही को मजबूत किया है।

सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रम को समय पर पूरा करने में ‘प्रगति’ की भूमिका से संबंधित कुछ खास उपलब्धियों में मिशन अमृत सरोवर शामिल है। इस मिशन का शुभारंभ 2022 में देश भर के हर जिले में 75 जल निकाय बनाने और उन्हें पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से किया गया था। प्रत्येक अमृत सरोवर को कम से कम एक एकड़ के तालाब क्षेत्र और लगभग 10,000 घनमीटर पानी रखने की क्षमता के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस मिशन की उन्नति की नियमित समीक्षा ‘प्रगति’ के जरिए राष्ट्रीय पर की गई और इस प्रक्रिया में विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया। इस संयुक्त निगरानी से तेजी से फैसले लेने और जमीन की उपलब्धता एवं धनराशि जारी करने से जुड़ी बाधाओं को कारगर ढंग से हल करने में मदद मिली। इस योजना के तहत 15 अगस्त 2023 तक 50,000 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य था। हालांकि, ‘प्रगति’ के हस्तक्षेप से काम में नई सिरे से तेजी आई और अब तक देश भर में 68,800 से अधिक अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस मिशन ने पानी की किल्लत को दूर करने और कई इलाकों में सतह एवं भूजल, दोनों की उपलब्धता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं बुनियादी ढांचे पर ‘प्रगति’ के असर का एक और ठोस उदाहरण पेश करती हैं। जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना को 31 मार्च 1994 को मंजूरी दी गई थी। जून 2015 तक इसकी वास्तविक प्रगति मात्र 40 प्रतिशत थी। 24 जून 2015, 06 नवंबर 2019 और 30 दिसंबर 2020 को ‘प्रगति’ के तहत समीक्षा के जरिए इसकी प्रगति 40 से बढ़कर 60 और फिर 76 प्रतिशत हो गई। इस मार्ग पर आखिरकार 06 जून 2025 को आवागमन शुरू हो गया। इसमें 272 किलोमीटर की लंबाई में 38 सुरंगें हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 119 किलोमीटर हैं और 943 पुल हैं, जिसमें दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्क ब्रिज भी शामिल है, जो नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित है। ब्रह्मपुत्र नदी पर बोगीबील रेल-सह-रोड पुल के मामले में भी कुछ ऐसा ही असर देखा गया। इस परियोजना को मार्च 1997 में मंजूरी दी गई थी और 27 मई 2015 तक 64 प्रतिशत काम पूरा हो पाया था और ‘प्रगति’ की देखरेख के बाद 25 दिसंबर 2018 को इसपर आवागमन शुरू हो गया। ये उदाहरण दशार्ते हैं कि तकनीक आधारित समन्वय कैसे रेल से जुड़े बुनियादी ढांचे को तेजी से आगे बढ़ा सकता है और नागरिकों को निर्धारित समय से बहुत पहले आधुनिक सेवाएं मुहैया करा सकता है।

‘प्रगति’ के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच एक ऐसे शासन का निर्माण करना है जो नागरिकों की उम्मीदों एवं आकांक्षाओं के अनुरूप गति से काम करे। यह प्लेटफॉर्म पीएम गतिशक्ति और ‘परिवेश’ जैसी प्रणालियों के साथ एकीकृत है, जो सच्चाई के एक ही स्रोत से आसान निगरानी की सुविधा देता है। इस सोच के स्वाभाविक नतीजों के तौर पर लागत में कमी, आसान डिजिटल निगरानी और विवादों को तेजी से सुलझाने जैसे लाभ सामने आए हैं। जब देरी रोकी जाती है, तो खर्च कम होता है और परियोजनाओं पर नजर रखना एवं उनका पर्यवेक्षण करना आसान हो जाता है। यह सब दशार्ता है कि जब फैसले समय पर लिए जाते हैं और जवाबदेही तय होती है, तो सरकारी कामकाज की गति बढ़ती है और इसका असर सीधे नागरिकों के जीवन में दिखाई देता है। ‘प्रगति’ विभिन्न मंत्रालयों और राज्यों में विभागों के बीच की बाधाओं को तोड़कर और टीम इंडिया की भावना को मजबूत करके इस दृष्टिकोण को साकार करता है।

जैसे-जैसे भारत बड़ी परियोजनाओं के लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ता जा रहा है, ‘प्रगति’ विभिन्न परियोजनाओं के प्रशासन और उनके समयबद्ध कार्यान्वयन की एक मुख्य संस्था बन गई है। इसने यह दशार्या है कि तकनीक से होने वाली समीक्षाएं महज मॉनिटरिंग स्क्रीन तक ही सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे धरातल पर असली बदलाव लाती हैं। अब तक हुई 50 बैठकें इस दृष्टिकोण और सर्वोच्च स्तर पर प्रतिबद्धता की निरंतरता को दशार्ती हैं। मिशन अमृत सरोवर, बड़े रेलवे पुल, विशाल विद्युत परियोजनाएं और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यक्रम यह दशार्ते हैं कि सक्रिय निगरानी से नतीजे कई गुना बढ़ सकते हैं। इसलिए ‘प्रगति’ एक ऐसे आदर्श के रूप में सामने है, जहां संवैधानिक पद आसान निगरानी, कारगर समन्वय, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सार्वजनिक सेवा एवं विकास के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर देश भर के सार्वजनिक कार्यालयों तक यह बदलाव तब सही मायने में सफल होता है, जब हर नागरिक के कल्याण के प्रति स्पष्ट समर्पण दिखाते हुए ‘प्रगति’ जैसी उपलब्धियां सार्वजनिक परियोजनाओं और नागरिक-केन्द्रित कार्यक्रमों को ‘सरलीकरण हेतु सुधार, नतीजे हेतु प्रदर्शन, असर डालने हेतु बदलाव’ की प्रक्रिया में मदद करती हैं।

ये लेखक के निजी विचार हैं

(लेखक पीईएसबी के सदस्य तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भूतपूर्व सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: व्यवसायिक मामलों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे निर्णय लेना आसान होगा। किसी रिश्तेदार की मदद करनी पड़ सकती है और इससे मानसिक संतोष मिलेगा। दिनभर भागदौड़ अधिक रहेगी, लेकिन सहकर्मियों के सहयोग से कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: घर के वरिष्ठ सदस्यों का आशीर्वाद आत्मविश्वास बढ़ाएगा। विद्यार्थी उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मन लगाएंगे। किसी पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा न करें। कार्यालय में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सामने आ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: लोगों की राय आपके बारे में अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग मीठी बातों से अपने स्वार्थ साधने का प्रयास करेंगे, इसलिए सतर्क रहें। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और निजी रिश्तों में मिठास आएगी। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: आर्थिक मामलों से जुड़े अटके काम सुलझेंगे। मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर कार्य समय से पूरे होंगे। पदोन्नति या जिम्मेदारी बढ़ने के संकेत हैं। छोटे भाई-बहनों के साथ किसी गंभीर विषय पर चर्चा हो सकती है। किसी बड़ी डील से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: पारिवारिक उलझनों के कारण मन कुछ अशांत रह सकता है। छोटे उद्योग या व्यवसाय से जुड़े लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है, इसलिए अनुशासन बनाए रखें। आंखों में जलन जैसी परेशानी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज आप अपनी कार्यशैली पर आत्ममंथन करेंगे। पढ़ाई, रिसर्च या ज्ञानवर्धन में समय व्यतीत हो सकता है। केवल जरूरी कामों को प्राथमिकता दें। रिश्तों को लेकर कुछ असमंजस की स्थिति बन सकती है। यात्रा की योजना भी बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर असहज स्थिति बन सकती है, भले ही आपकी बात सही हो। घरेलू कामों में मन कम लगेगा। किसी भी प्रकार के नशे से दूरी रखें। शेयर बाजार या जोखिम भरे निवेश में अत्यधिक धन लगाने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: अच्छे मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। पैतृक संपत्ति या उससे जुड़े मामलों में प्रगति हो सकती है। संतान के भविष्य को लेकर कुछ अहम निर्णय लेने पड़ सकते हैं। रुके हुए कार्य धीरे-धीरे सुलझेंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और अचानक धन लाभ के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज आप दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभर सकते हैं। योजनाओं को पहले से व्यवस्थित करने से लाभ होगा। समय का सही उपयोग करेंगे। बीमा या निवेश से जुड़े कार्यों में फायदा मिल सकता है। शाम के समय सिरदर्द जैसी समस्या परेशान कर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता और अपनापन बढ़ेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को उत्पाद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। मानसिक रूप से सकारात्मक रहें, क्योंकि कुछ लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

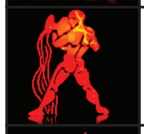

कुंभ: कार्यक्षेत्र में अचानक बदलाव संभव हैं। पूर्व में की गई मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। व्यवसाय में नए तरीके अपनाने की जरूरत पड़ेगी। ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा और रिटेल कारोबारियों की आय बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

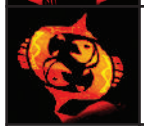

मीन: कार्यस्थल पर सभी जिम्मेदारियां स्वयं संभालनी पड़ सकती हैं। मधुमेह से पीड़ित लोगों को दवाइयों में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अपच के कारण मुंह में छाले हो सकते हैं। कुछ अप्रत्याशित अड़चनें आ सकती हैं और प्रेम संबंधों में सतर्क रहने की आवश्यकता है। *(सिटी दर्पण)*

अयोध्या श्री राम मंदिर: वैश्विक शांति और समृद्धि की नींव

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल (हि.स.)

22 जनवरी, 2024 को दुनिया भर के लाखों लोगों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया, जिसने भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण की शुरूआत की। श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या सिर्फ एक शहर से कहीं ज्यादा है; यह एक कालातीत, आध्यात्मिक गूंज है। यह श्री राम के धर्म, सत्य, बलिदान और आदर्श जीवन के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है। अयोध्या भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, शाश्वत भक्ति और भारत को ₹विश्वगुरु₹ बनाने के लिए दुनिया में शांति लाने के मार्ग के रूप में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है, जबकि हाल ही में निर्मित राम मंदिर आध्यात्मिक चमक से जगमगा रहा है।

श्री राम मंदिर हिंदू दर्शन और संस्कृति की भव्यता को दशार्ता है। इसका विस्तृत डिजाइन, जो प्राचीन भारत की कलात्मक और स्थापत्य प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है, पारंपरिक भारतीय कौशल, ज्ञान और कारीगरी को प्रदर्शित करता है। अपनी शानदार वास्तुकला से परे, यह मंदिर हिंदू और वैश्विक संस्कृति में एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को पार करता है। यह दुनिया भर में हिंदू प्रवासियों के लिए उनकी वंशावली की याद दिलाता है और सांस्कृतिक गौरव का स्रोत है। दिन-ब-दिन अधिक तंत्रज्ञान से जुड़े हुए दुनिया में, यह एकता को बढ़ावा देता है और हिंदू धर्म के कालातीत सिद्धांतों को बनाए रखता है।

श्री राम की छवि अयोध्या या भारत तक सीमित नहीं है। उनकी आभा वास्तव में पूरी दुनिया में महसूस की जाती है। वह पूरी मानवता के प्रतीक हैं।

हिंदू धर्म के संदर्भ में, राम मंदिर का निर्माण लाखों लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। एक भौतिक इमारत होने के अलावा भगवान राम को समर्पित यह मंदिर आध्यात्मिक पुनर्जन्म, सांस्कृतिक संरक्षण और उन सिद्धांतों का प्रतीक है जो दुनिया भर में हिंदुओं और मानवता में विश्वास रखने वालों के दिलों में गहराई से अंकित हैं। राम मंदिर की कहानी हिंदू धर्म के लोकाचार के साथ एक गहरा संबंध बनाती है, जो एक पवित्र स्थान पर ईश्वर की वापसी की साझा इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है।

हिंदुओं के लिए, राम मंदिर उनकी प्राचीन विरासत की एक भौतिक याद दिलाता है और संस्कृति की शाश्वत जीवन शक्ति का प्रतीक है। नतीजतन, यह मंदिर हमारे समाज के मूलभूत सिद्धांतों और राम के उन गुणों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें सभी लोग प्रशंसनीय पाते हैं। इस 7वें या वैवस्वत मन्वंतर में 28वें द्वापर के खत्म होने और कलियुग की शुरूआत को पांचवीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व में भगवान कृष्ण की मृत्यु के बाद रामराज्य की प्रतीकात्मक स्थापना से चिह्नित किया गया था।

‘राम’ शब्द सिर्फ.एक प्राचीन सभ्यता से कहीं ज्यादा है जो आज तक मौजूद है, यानी भारत। यह नाम एक पहचान और एक मूल्य का प्रतीक है जो व्यवहार और जीवंतता में सभी ऐतिहासिक युगों से परे है। भारत के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के साथ-साथ देश के पश्चिम और पूर्व के लोककथाएँ लोगों के दिलों में ज़िंदा हैं।

‘राम’ एक ऐसा नाम है जिसकी भारत के हर कोने में बच्चे छोटी उम्र से ही गुणगान करते हैं। उनकी पौराणिक जीवन कहानियाँ भारत की सीमाओं से परे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैल गई हैं, जहाँ रामायण को आज भी थिएटर, संगीत, नृत्य, चित्रकला और मूर्तिकला में रचनात्मक रूप से दिखाया जाता है।

संस्कृत में वाल्मीकि रामायण, हिंदी में तुलसीदास की रामचरितमानस, तमिल में कंबन की रामावतारम और श्री राम के महाकाव्य की कई और क्षेत्रीय कहानियाँ हजारों सालों से पूरे भारत में गूंज रही हैं। यह आम कहानी जो भाषाओं और रीति-रिवाजों से परे है, भारत को एकजुट करने वाले कारक के रूप में उनके कार्य को उजागर करती है।

भारत से परे, रामायण का पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया पर प्रभाव है; म्यांमार और लाओस की कला, थाईलैंड की रामाकियन, कंबोडिया की रीमकर और इंडोनेशिया की काकाविन रामायण सभी यह दशार्ते हैं कि राम के सिद्धांत विश्व सांस्कृतिक परंपराओं में कितने गहरे बसे हुए हैं। राम के सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से आकर्षक हैं जैसा कि अंकोर वाट के शानदार स्मारकों और जावा की छाया कठपुतलियों से देखा जा सकता है।

श्री राम को समर्पित इस शानदार मंदिर को भारत की सॉफ्ट पावर के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के रूप में देखा जा सकता है। राम मंदिर का महत्व स्थानीय सीमाओं से परे वैश्विक क्षेत्र तक फैला हुआ है। यह मंदिर प्रेम, विश्वास, अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे और मानवता के सभी सकारात्मक पहलुओं का प्रतीक बन जाएगा जो दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजते हैं क्योंकि राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कहानियों को फिर से परिभाषित करते हैं। भारतीय संस्कृति की मूलभूत समावेशिता निःस्संदेह एक अधिक सहायक माहौल प्रदान करेगी। इतिहास की उथल-पुथल के बावजूद, अयोध्या की भावना बनी रही, राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए और दुनिया भर में गूंजती रही। भारत से परे, भगवान राम को नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया और अन्य देशों में पूजा जाता है।

हजारों सालों से, भारत की संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक आदर्श पूरे दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के साथ साझा किए गए हैं। ये विशेषताएं, साथ ही क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता, राम मंदिर द्वारा फिर से परिभाषित की जा सकती हैं।

भारतीय सभ्यता के मौलिक गुण, समावेशिता और स्वीकृति, ने ऐतिहासिक रूप से दुनिया भर के विभिन्न देशों, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच राजनीतिक खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे भारत एक पूरी तरह से अलग राष्ट्र बन गया है जहां धार्मिक बहुलवाद की गारंटी है और उसे प्रोत्साहित किया जाता है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर सदियों के लचीलेपन और भारतीय संस्कृति का उत्सव मनाता है, न कि सिर्फ विनाश की याद दिलाता है। रामलला के दर्शन का उद्देश्य हमारे समाज के मौलिक सिद्धांतों और मूल्यों को बनाए रखना, उनके महत्व पर जोर देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन सिद्धांतों की एक स्थायी याद दिलाना है।

भगवान श्री राम आदर्श ‘मयार्दा पुरुषोत्तम’ हैं, जो आध्यात्मिक गहराई और मार्शल वीरता का सामंजस्यपूर्ण संयोजन हैं, जो भारतीय लोकाचार की जीवंत ऊर्जा में ऊंचे खड़े हैं और भारतीय समाज, साहित्य, संगीत और गीतों में कल्पना किए गए आदर्श पुरुष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राम मंदिर के निर्माण से भारत में समावेश के एक नए युग की शुरूआत हुई है। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को इस जगह पर इकट्ठा होने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिसे साझा विरासत के प्रतीक में बदल दिया गया है।

राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह उन सामान्य आदर्शों की मार्मिक याद दिलाता है जो भारत के लोगों को एक साथ बांधते हैं। मंदिर की भव्यता श्री राम के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ-साथ पिछली कड़वाहट को पीछे छोड़कर एक समृद्ध भविष्य को अपनाने के साझा संकल्प को दशार्ती है।

अगर श्री राम को एक बेंचमार्क माना जाता है तो इसलिए नहीं कि वह सिर्फ एक दिव्य शक्ति हैं; बल्कि, इसलिए कि उन्होंने मानवीय क्षमता और दृढ़ता की उस हद को दिखाया जो चमत्कार और अजूबे पैदा कर सकती है। जन्म से इंसान होने के बावजूद, उन्हें बचपन से ही शांति और सुकून के कारण दिव्य शक्ति के रूप में पूजा जाता है। अपनी मजबूत हिंदू जड़ों के बावजूद, श्री राम मंदिर की कहानी में एक सार्वभौमिक सबक है।

भगवान राम का जीवन निष्पक्षता, कर्तव्य और सद्भाव का एक उदाहरण है- ऐसे मूल्य जो सभी संस्कृतियों और धर्मों से परे हैं। नतीजतन, यह मंदिर हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान होने के साथ-साथ उन आदर्शों का प्रतीक भी है जो दुनिया भर के सभी लोगों को ऊपर उठाते हैं।

यह विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को धर्म के सिद्धांतों पर विचार करने और न्याय, करुणा और ईमानदारी से भरे जीवन के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ₹स्व₹ मानसिकता, जिसमें ₹राष्ट्र और भारतीय संस्कृति पहले₹ का रवैया शामिल है, उसने उपनिवेशवाद की जगह हर भारतीय की प्रमुख मानसिकता बन गयी है। यह हमारे राष्ट्र और समाज को जीवन के हर पहलू में विकास के लिए तैयार करेगा।

श्री राम सिर्फ एक नाम और एक आकृति से कहीं ज्यादा हैं। वह प्रेरणा का एक कालातीत स्रोत हैं जिसने इस पवित्र सभ्यता को पोषित किया है और इसमें समाया हुआ है। हाल के दशकों में हमारे राष्ट्र को अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी प्राचीन जड़ों को स्वीकार करते हुए देखना उत्साहजनक है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाते हुए, आइए हम घोषणा करें कि जहाँ जड़ें गहरी होती हैं, वहाँ जीत निश्चित होती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गमाडा द्वारा 5,460 करोड़ रुपये मूल्य की 42 प्रमुख साइटों की ऑनलाइन नीलामी की पेशकश

भगवंत मान सरकार ने घर खरीदारों और उद्यमियों के लिए व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु गमाडा संपत्तियों की कीमतों को किया तर्कसंगत: हरदीप सिंह मुंडियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

योजनाबद्ध शहरी विकास को गति देने और रियल एस्टेट के अवसरों तक पहुँच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से 5,460 करोड़ रुपये मूल्य की 42 प्रमुख साइटों की नीलामी करेगी। वर्ष 2026 की पहली मेगा नीलामी 14 जनवरी से 11 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन नीलामी के लिए प्रस्तुत संपत्तियों में आवासीय प्लॉट, एस.सी.ओ., मिक्स्ड लैंड यूज, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल तथा होटल हेतु भूमि शामिल है। यह पहल भगवंत मान सरकार की संपत्ति की कीमतों को तर्कसंगत बनाने, पूर्ण पारदर्शिता लागू करने तथा घर खरीदारों, उद्यमियों और संस्थागत निवेशकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने की निवेशक-हितैषी नीति को दशार्ती है। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज ग्रेटर मोहाली अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी की 42 साइटों को ऑनलाइन नीलामी के लिए प्रस्तुत किया। ऑनलाइन नीलामी में आवासीय प्लॉट, एस.सी.ओ., मिक्स्ड लैंड यूज, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल और होटल के लिए भूमि उपलब्ध है।

स. मुंडियां ने बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की निवेशक-हितैषी नीतियों के चलते राज्य में रियल एस्टेट सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है और इस क्षेत्र को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने कहा कि आवास एवं शहरी विकास विभाग, पंजाब के अधीन कार्यरत विकास प्राधिकरणों द्वारा समय-समय पर आयोजित ई-नीलामियों को उत्साहजनक प्रतिसाद मिला है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा वर्ष 2026 की पहली मेगा नीलामी 14 जनवरी, 2026 से 11 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार की पिछली कैबिनेट

बैठक के निर्णय के अनुसार, इस नीलामी में प्रस्तुत की जा रही संपत्तियों की कीमतों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार संपत्ति आसानी से खरीद सके और अपने घर का सपना पूरा कर सके या नया व्यवसाय शुरू कर सके।

उन्होंने बताया कि नीलामी में प्रस्तुत संपत्तियाँ शहरों के केंद्र में स्थित हैं और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन तथा सड़क मार्ग जैसे विभिन्न परिवहन साधनों के माध्यम से आसानी से सुलभ हैं। स. मुंडियां ने कहा कि पूरी नीलामी प्रक्रिया गमाडा द्वारा पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बोली की पात्रता, साइटों के भुगतान से संबंधित शेड्यूल, विस्तृत विवरण तथा नियम एवं शर्तें नीलामी पोर्टल स्र४ी.ल्ल४ि५ी.ङ्के पर उपलब्ध हैं। इस पोर्टल पर पंजीकरण के उपरांत बोलीदाता नीलामी में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बोलीदाताओं की सुविधा के लिए गमाडा द्वारा ल्ल५ी२३.ी@स्र४ल्लु.ङ्के५.ल्ल नामक एक नया ई-मेल भी शुरू किया गया है, जिस पर संपत्तियों से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कैबिनेट मंत्री ने आशा व्यक्त की कि पिछली सफल नीलामियों की तरह यह नीलामी भी सफल रहेगी, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को और गति मिलेगी तथा नीलामी से प्राप्त राजस्व को गमाडा अपने अधिकार क्षेत्र में विकास कार्यों पर व्यय कर नए मानक स्थापित करेगा।

ह्यइन्वेस्ट मोहाली 2026ह्न नीलामी ने समावेशी और पारदर्शी शहरी विकास के लिए नए अवसर प्रदान किए हैं, जिससे मोहाली उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते निवेश केंद्र के रूप में उभरा है।

पंजाब अपने आर्थिक और शहरी विकास के निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसका उद्देश्य न केवल विकास को तेज करना है, बल्कि एक ऐसा विकास मॉडल तैयार करना भी है जो समावेशी हो और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। निवेशक-हितैषी नीतियों, पारदर्शी शासन और संस्थागत सुधारों के परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में विकास देखा गया है, जिनमें रियल एस्टेट और शहरी अवसंरचना को और सुदृढ़ व विस्तारित करना शामिल है। वर्तमान में मोहाली में लगभग 50,000 से 60,000 पेशेवर कार्यरत हैं और आगामी पाँच वर्षों में आई.टी. और जी.सी.सी. क्षेत्रों में रोजगार लगभग दोगुना होने की उम्मीद है, जिससे पंजाब के युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली हजारों नौकरियाँ सृजित होंगी। शहर ने उत्तर भारत के अग्रणी शिक्षा केंद्र के रूप में भी अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जहाँ आई.एस.बी. और आई.आई.एस.ई.आर. सहित 27 से अधिक इंजीनियरिंग, मेडिकल और प्रबंधन संस्थानों से हर वर्ष 40,000 से अधिक छात्र स्नातक हो रहे हैं, जिससे उद्योगों के लिए कुशल प्रतिभा सुनिश्चित हो रही है। मोहाली टियर-1 शहरों की तुलना में कम लागत का लाभ प्रदान करता है—कम कार्यालय किराया, प्रतिस्पर्धी बिजली दरें और अपेक्षाकृत कम आवासीय लागत—जिससे यहाँ कार्यरत कर्मचारियों को लाभ मिल रहा है।

23 से अधिक विभागों को कवर करने वाली एकीकृत सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से व्यवसाय करने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिसके तहत 30 से 45 दिनों में परियोजना स्वीकृतियाँ दी जा रही हैं। उच्च गुणवत्ता वाला शहरी जीवन, योजनाबद्ध लेआउट, हरित आवरण, बेहतर वायु गुणवत्ता और मजबूत क्षेत्रीय संपर्क शहर को निवासियों और निवेशकों दोनों के लिए और आकर्षक बना रहे हैं।

मोहाली भारत के विकसित और स्वस्थ शहरों में तेजी से उभर रहा है, जिसे सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों से बड़े निवेशों का समर्थन मिल रहा है। फोर्टिस हेल्थकेयर ने 900 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से अपनी मोहाली सुविधा का विस्तार किया है, जिसमें 400 से अधिक नए बेड जोड़े गए हैं और उन्नत स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, मेडिकल टूरिज्म के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में शहर की स्थिति और सुदृढ़ हो रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में, इन्फोसिस द्वारा मोहाली के आई.टी. सिटी में लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश से एक नया कैंपस निमार्णाधीन है, जिससे लगभग 2,500 कौशल-आधारित नौकरियाँ सृजित होने की उम्मीद है।

उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया लिमिटेड के विस्तार के साथ-साथ सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी के आधुनिकीकरण और विस्तार हेतु 4,500 करोड़ रुपये का समर्थन दिया है। यह पहल मोहाली को सेमीकंडक्टर अनुसंधान, विकास और विनिर्माण सहायता के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभार रही है।

पंजाब सरकार द्वारा आजमोहाली से राज्य स्तरीय अभियान साडे बुजुर्ग, साडा मान की शुरूआत: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार 16 जनवरी, 2026 को जिला एस.ए.एस. नगर (मोहाली) से साडे बुजुर्ग, साडा मान राज्य स्तरीय अभियान की औपचारिक शुरूआत करने जा रही है, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करना है। जनहित में अग्रिम जानकारी देते हुए पंजाब सरकार ने कहा कि इस पहल का लक्ष्य प्रदेश भर के बुजुर्ग नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान का विवरण साझा करते हुए पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि साडे बुजुर्ग, साडा मान अभियान का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं, कानूनी जागरूकता और सरकारी कल्याण योजनाओं से जोड़ना है, ताकि वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने बताया कि यह अभियान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ नागरिकों की राज्य कार्य योजना के तहत लागू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बुजुर्गों की समग्र भलाई और सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पंजाब भर में जिला-स्तरीय शिविर लगाए जाएंगे। इस योजना के तहत उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि इन शिविरों के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य जांच, ऑर्थोपेडिक देखभाल, ईएनटी सेवाएं, नेत्र जांच के साथ-साथ होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने आगे बताया कि सामाजिक सुरक्षा विभाग मौके पर ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए नामांकन, सीनियर सिटीजन कार्ड और एएलआईएमसीओ (आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) कार्ड जारी करेगा तथा राष्ट्रीय वयोश्री योजना से संबंधित सहायता और जानकारी प्रदान करेगा। कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 सहित अन्य कानूनी अधिकारों के बारे में बुजुर्ग नागरिकों को जागरूक करेगा, ताकि वे स्वयं को सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि आयुष विभाग और युवा मामलों के विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने, अंतर-पीढ़ी संबंधों और सामाजिक सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए योग सत्र और नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों की विशेष आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इन शिविरों के दौरान आवश्यक सहायक उपकरण जैसे निकट दृष्टि के लिए चश्मे, श्रवण यंत्र, चलने में सहायक साधन, सर्वाइकल कॉलर, बेल्ट और व्हीलचेयर मौके पर ही वितरित की जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के नव-नियुक्त सदस्य को शपथ दिलाई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज स्थानीय निकाय भवन, सेक्टर-35, चंडीगढ़ में पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के नव-नियुक्त सदस्य रवि कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के सदस्य रवि कुमार ने पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद कहा कि वे अपनी योग्यता, निष्ठा, समर्पण और सौहार्दपूर्ण तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के अध्यक्ष विश्वजीत खन्ना, बिजली विभाग के सचिव बसंत गर्ग आईएएस, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा रवि कुमार के पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित थे।

फिरोजपुर मंडल में कोहरे के मौसम में सुरक्षित रेल संचालन हेतु रात्रिकालीन सतर्कता निरीक्षण अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कोहरे के मौसम के दौरान रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फिरोजपुर मंडल द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। परिचालन एवं संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों जैसे स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, ट्रेन मेनेजर, कांटेवाला, गेटमेन, ट्रैकमेन, ट्रैक के रख-रखाव स्टाफ, सीग्नल और टेलिकॉम के स्टाफ आदि के बीच सतर्कता बनाए रखने हेतु अधिकारी स्तर पर रात्रिकालीन निरीक्षण प्रतिदिन किए जा रहे हैं। इन निरीक्षणों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ट्रेन संचालन निर्बाध, सुरक्षित एवं संरक्षित रूप से किया जा सके। फिरोजपुर मंडल में संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों की सतर्कता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कोहरे के मौसम के दौरानरात्रिकालीन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान व्यापक रात्रिकालीन निरीक्षण अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न विभागों में कुल 61 अधिकारियों द्वारा रात्रि 12 बजे से प्रातः 4 बजे के मध्य लगभग 190 निरीक्षण किए गए। निरीक्षणों के दौरान कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने, समयपालन एवं सुरक्षा नियमों का पूर्णतः पालन करने के निर्देश दिए गए। फिरोजपुर मंडल कोहरे के दौरान सुरक्षित एवं संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है।

सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकीलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस एवं एथ्नोफामाकीलॉजी में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), मोहाली के निदेशक प्रोफेसर दुलाल पांडा ने सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकीलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस तथा एथ्नोफामाकीलॉजी में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - पारंपरिक चिकित्सा का आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में एकीकरण (एसएफईसी-आईसीटीआरई-2026) के कर्टेन रेजर कार्यक्रम की जानकारी दी। यह सम्मेलन 26 से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

अपने संबोधन में प्रोफेसर पांडा ने कहा कि यह सम्मेलन विश्वभर के शोधकताओं, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञों तथा नीति-निमार्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा। इस मंच पर पारंपरिक औषधीय ज्ञान के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान तथा आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में उसके प्रभावी एकीकरण पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर को सम्मेलन की गतिविधियों की औपचारिक शुरूआत बताते हुए समकालीन स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित प्राकृतिक एवं पारंपरिक उपचारों को बढ़ावा देने में नाइपर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर संजय जाचक, आयोजन सचिव, एसएफईसी-आईसीटीआरई-2026 ने नाइपर, मोहाली में आयोजित होने वाले सम्मेलन का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु ह्लअनुप्रयुक्त अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं एथ्नोफामाकीलॉजीह्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पारंपरिक चिकित्सक सम्मेलन, उद्योग-संवाद कार्यक्रम तथा आयुष लघु संगोष्ठी जैसी प्रमुख शैक्षणिक एवं जनसंपर्क गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ एकीकृत कर प्रभावी स्वास्थ्य समाधान विकसित करने पर सम्मेलन के विशेष फोकस को रेखांकित किया।

डॉ. सुमित श्रीवास्तव, प्राचार्य, श्री धन्वंतरी आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, चंडीगढ़ ने ह्लप्रयोगशाला से रोगी तकह्व दृष्टिकोण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि चिकित्सकों तथा नाइपर जैसे अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग से अनुसंधान को प्रभावी रूप से नैदानिक व्यवहार में रूपांतरित किया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन डॉ. भुवन मिश्रा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

सामूहिक विवाह के जरिए भाविप ईस्ट 1 शाखा ने किए 9 निर्धन कन्याओं के हाथ पीले

चंडीगढ़। चंडीगढ़ शहर में बुधवार को नौ जोड़ों ने एक-दूजे का हाथ थामा और अग्नि के सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ रहने का वचन लिया। वहीं शहरवासियों ने बाराती बनकर जोड़ों को आशीष दिया। सामूहिक विवाह का आयोजन सेक्टर-18 के कम्युनिटी सेंटर में भारतीय विकास परिषद ईस्ट 1 के द्वारा कराया गया था। भाजपा के हिमाचल के सह प्रभारी और चंडीगढ़ भाजपा इकाई के पूर्व प्रधान संजय टंडन समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए और नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भाविप ईस्ट 1 प्रेरणादायक काम कर रही है। प्रोग्राम की प्रधानगी नीलम गुप्ता ने की। आशीर्वाद देने के लिए भूषण ठाकुर भी पहुंचें। भारत विकास परिषद के द्वारा शादी में वैवाहिक जोड़े को घर के सामान सहित रसोई का सामान, अलमारी, सिलाई मशीन इत्यादि बजी भेंट स्वरूप दिए गए। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि बहुत से गरीब परिवार की लड़कियों की शादी पैसों के कारण धूमधाम से नहीं हो पाती है। ऐसी ही कन्याओं की शादी का बीड़ा भारत विकास परिषद उठाता है और उनके सुखी भविष्य जीवन की मंगल कामना के साथ उनकी शादियां करवाता है। इस अवसर पर भाविप की प्रधान नीलम गुप्ता, सेक्रेटरी संजय सिंगला, खजांची प्रोमिला ग्रोवर, सुमिता कोहली, मनमोहन जॉली और अमिता मित्तल सहित सुमन गुप्ता, रितु अग्रवाल व अन्य सदस्यों ने अपनी अहम भूमिका निभाई। बारात में सैंकड़ों की संख्या में कई गणमाण्य लोगों समेत शहरवासी शामिल हुए।

वेटरन्स डे: मोहिंदर भगत ने रक्षा सेवाओं के पूर्व सैनिकों के साहस और बलिदान की सराहना की

चंडीगढ़ /अमृतसर। साहस, बलिदान और राष्ट्र की आजीवन सेवा को समर्पित एक गंभीर किन्तु उल्लासपूर्ण श्रद्धांजलि स्वरूप, वज्र कोर, पश्चिमी कमान के तत्वावधान में, 14 जनवरी 2026 को खासा, अमृतसर में 10वां रक्षा सेवाएं भूतपूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रक्षा बलों के भूतपूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों, विधवाओं एवं उनके परिवारों के अदम्य साहस और निस्वार्थ योगदान को सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी को मनाया जाने वाला रक्षा सेवाएं भूतपूर्व सैनिक दिवस, भारत के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा के सेवानिवृत्ति दिवस का स्मरण कराता है तथा सशस्त्र बलों और उनकेविस्तारित परिवार के बीच अटूट संबंध का प्रतीक है। सेना कमांडर, पश्चिमी कमान की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल अजय चांदपुरिया, ए वी एस एम, वी एस एम , जी ओ सी, वज्र कोर ने राष्ट्र के प्रति भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों द्वारा दी गई अतुलनीय सेवा और बलिदान के लिए गहन कृतज्ञता व्यक्त की तथा भारतीय सेना की अपने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मान देने, सहयोग करने और सदैव दृढ़ता से उनके साथ खड़े रहने की स्थायी प्रतिबद्धता को दोहराया, आज भी और सदैव। मुख्य अतिथि श्री मोहिंदर भगत, माननीय भूतपूर्व सैनिक एवं स्वतंत्रता सेनानी कल्याण तथा बागवानी मंत्री, पंजाब सरकार, ने राष्ट्र निर्माण में भूतपूर्व सैनिकों की उल्लेखनीय भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने हालिया बाढ़ के दौरान पंजाब में उनके योगदान को विशेष रूप से उल्लेखित करते हुए, भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए राज्य सरकार के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

अनस्टॉपेबल हाई-परफॉरमेंस ड्राइव: बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने रिकॉर्ड बिक्री के साथ रचा नया इतिहास

चंडीगढ़। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कैलेंडर वर्ष 2025 में अब तक की सर्वाधिक वार्षिक बिक्री दर्ज करते हुए भारतीय लग्जरी ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी मजबूत स्थिति को एक बार फिर साबित किया है। कंपनी ने वर्ष 2025 में कुल 18,001 कारें बेचीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत से अधिक की शानदार वृद्धि दशार्ती है। इस दौरान बीएमडब्ल्यू ने 17,271 यूनिट्स और मिनी ने 730 यूनिट्स की डिलीवरी दी, जबकि बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने 5,841 मोटरसाइकिलों की बिक्री की। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने बीते चार वर्षों में लगातार दो अंकों की वृद्धि दर्ज करते हुए हर महीने और हर तिमाही में नए बिक्री रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। अक्टूबर से दिसंबर 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 6,023 कारें बेचकर 17 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हासिल की, जो भारतीय लग्जरी सेगमेंट के औसत से कहीं अधिक है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ हरदीप सिंह ब्रार ने कहा कि 2025 कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं का भरोसा, मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो और सभी सेगमेंट्स चाहे वह पेट्रोल-डीजल, इलेक्ट्रिक वाहन, सेडान, एसएवी या लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल हो सभी में निरंतर बढ़ती मांग इस सफलता का मुख्य कारण रही।

ओप्पो ने फोटोग्राफी के लिए पेश की नई रेनो15 सीरीज

चंडीगढ़। ओप्पो इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी प्रीमियम रेनो15 सीरीज को लॉन्च किया है। इस सीरीज में रेनो15 प्रो, रेनो15 प्रो मिनी और रेनो15 स्मार्टफोन शामिल हैं, जिन्हें खास तौर पर ट्रैवल फोटोग्राफी और कंटेंट क्रिएशन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। युवा यात्रियों और फोटोग्राफी प्रेमियों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसमें अत्याधुनिक एआई पोर्ट्रेट कैमरा, प्योरटोन इमेजिंग टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव पॉपआउट फीचर दिया गया है। इसके साथ ही, कॉम्पैक्ट लेकिन पावरफुल स्मार्टफोन की बढ़ती मांग को देखते हुए नया प्रो मिनी वेरिएंट भी पेश किया गया है। ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस गोल्डी पटनायक ने बताया कि, ह्यह्यभारत में 10 करोड़ से अधिक यूजर्स के अनुभव ने कंपनी को प्रीमियम कैमरा, इंट्यूटिव एआई और यूनिक डिजाइन पर लगातार फोकस करने के लिए प्रेरित किया है।

राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया सम्मानित

पंजाब के राज्यपाल ने लोक भवन में सीजीए के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गोल्फ उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन (सीजीए) द्वारा वर्ष 2025 में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गोल्फ खिलाड़ियों के सम्मान में मंगलवार को पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सीजीए चैंपियंस 2025ह्व शीर्षक से आयोजित इस समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने बेहतरीन गोल्फ खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर सम्मानित होने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में युवराज सिंह शामिल रहे, जिन्होंने वर्ष 2025 में एक ही सत्र में रिकॉर्ड सात खिताब जीतते हुए पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा पद्म श्री एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित जीव मिल्खा सिंह, तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर को भी उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर.के. पचनंदा आईपीएस (सेवानिवृत्त), सीजीए के पदाधिकारीगण तथा सम्मानित खिलाड़ियों के प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

उपलब्धि प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए, राज्यपाल कटारिया ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि इन उपलब्धियों से चंडीगढ़, पंजाब तथा पूरे देश का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन (सीजीए) द्वारा विकसित विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं एवं सुदृढ़ कोचिंग इकोसिस्टम की भी सराहना की तथा कहा कि इसने ओलंपिक खेल में चंडीगढ़ एवं ट्राई-सिटी क्षेत्र के युवा गोल्फ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समारोह को संबोधित करते हुए चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर.के. पचनंदा, आईपीएस (सेवानिवृत्त), ने सम्मानित खिलाड़ियों से निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का आह्वान किया और आश्वस्त किया कि सीजीए प्रशिक्षुओं को सभी आवश्यक सुविधाएँ निरंतर उपलब्ध कराता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन चंडीगढ़ गोल्फ में ओलंपिक पदक जीतने का अपना सपना अवश्य साकार करेगा।

सीजीए अध्यक्ष ने यह भी बताया कि वर्ष 1999 में स्थापित चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन गोल्फ खेल के प्रचार-प्रसार और विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान द्वारा संरचित प्रशिक्षण, पेशेवर कोचिंग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के खिलाड़ियों सहित प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से सीजीए के अंतर्गत प्रशिक्षित गोल्फ खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर यूटी चंडीगढ़, पंजाब और भारत को गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत के अधिकांश शीर्ष गोल्फ खिलाड़ी चंडीगढ़ से हैं और सीजीए ने ही इनकी प्रतिभा को निखारने का काम किया है। वर्तमान में भारत की रैंकिंग में नंबर 1, 2, 4 और 5 स्थान पर रहने वाले सभी गोल्फ खिलाड़ी चंडीगढ़ से हैं, जो भारतीय गोल्फ में शहर के वर्चस्व को दशार्ता है।

सीजीए के गोल्फ खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों सहित विश्व के सर्वोच्च मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है तथा वे भारत के पदक विजेता दलों का भी हिस्सा रहे हैं।

इन असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देते हुए, चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन ने सीजीए चैंपियंस 2025 के रूप में खिलाड़ियों को सम्मानित करना उपयुक्त समझा। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना तथा चंडीगढ़, पंजाब और पूरे क्षेत्र की खेल गौरव-परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करना है।

ट्रंप का दावा-ईरान में 12,000 प्रदर्शनकारी मारे गए, मदद भेजने की घोषणा की

ईरान में अशांति के कारण मरने वालों की संख्या हाल के दिनों में बढ़ गई: पहलवी

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की इस्लामिक सरकार के आदेश पर वहां प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा की जा रही है। मरने वालों की संख्या बढ़कर 12,000 हो गई है। ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि वह मदद भेज रहे हैं। कुछ देर पहले की गई इस घोषणा में यह साफ नहीं किया गया है कि यह मदद किस प्रकार की होगी।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में इस सारे घटनाक्रम पर अहम जानकारी दी गई है। इसमें ट्रंप प्रशासन की हलचल के अलावा ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी के हवाले से भी स्थिति पर टिप्पणी की गई है। पहलवी ने मंगलवार को कहा कि ईरान में अशांति के कारण मरने वालों की संख्या हाल के दिनों में बढ़ गई है। उन्होंने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने का आग्रह किया। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पहलवी ने कहा, दुखद खबर यह है कि पिछले दो दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़ गई है। यह 9/11 के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की संख्या से चार गुना ज्यादा है। अब तक जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार कम से कम 12,000 लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा, निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मारने के लिए सैन्य हथियारों, एके-47, बख्तरबंद ट्रकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके शव बुलडोजर से उठाए जा रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल के संपादकीय बोर्ड ने सूत्रों और मेडिकल डेटा की समीक्षा के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि आठ और नौ जनवरी की रात विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 12,000 लोग मारे गए। इस पर नीदरलैंड, स्पेन और फिनलैंड सहित कई यूरोपीय देशों ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई का विरोध करने के लिए ईरान के राजदूतों को तलब किया। ईरान के मौजूदा हालात से आहत वहां के सर्वोच्च सुन्नी धर्मगुरु मौलवी अब्दुल हामिद ने मंगलवार को देश भर के शहरों में प्रदर्शनकारियों की हत्या की निंदा की और चेतावनी दी कि ऐसे आदेश देने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने एक्स पर कहा, तेहरान और देश के अन्य शहरों में कुछ ही दिनों में हजारों प्रदर्शनकारियों का नरसंहार दुखद है।

अमेरिका ने लेबनान, मिस्र और जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठनों को आतंकी घोषित किया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए लेबनान, मिस्र और जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े तीन संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत शुरुआती कार्रवाई के रूप में उठाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय उन मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों की गतिविधियों और क्षमताओं को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है, जो अमेरिका के लिए खतरा मानी जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन इस दिशा में आगे भी सख्त कदम उठाता रहेगा। निर्णय के तहत अमेरिकी विदेश विभाग ने लेबनानी मुस्लिम ब्रदरहुड को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' और 'विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी' (एसडीजीटी) की श्रेणी में रखा है। इसके साथ ही संगठन के प्रमुख मोहम्मद फवजी तक्कोश को भी एसडीजीटी घोषित किया गया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने मिस्र और जॉर्डन की मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों को एसडीजीटी के रूप में नामित किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों संगठनों ने हमास को भौतिक और वित्तीय सहायता देने के आरोप हैं। रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई एक व्यापक और सतत अभियान की शुरुआत है, जिसका उद्देश्य दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ी हिंसक और अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका प्रतिबंधों और अन्य उपायों के जरिए इन संगठनों पर दबाव बनाए रखेगा। इन नामांकन के बाद संबंधित संगठनों और व्यक्तियों पर कड़े कानूनी और आर्थिक प्रतिबंध लागू होंगे। इनमें अमेरिकी नागरिकों के साथ लेन-देन पर रोक, संपत्तियों को फ्रीज करना और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर पाबंदियां शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य आतंकी नेटवर्क की फंडिंग और संचालन क्षमताओं को कमजोर करना है। यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के बाद आई है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों को ऐसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे, जिन्हें अमेरिकी सुरक्षा हितों के लिए खतरा माना जाता है।

मध्य प्रदेश में बच्चों को एलर्जी के लिए दिए जाने वाले अल्मॉन्ट कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगी

- अल्मॉन्ट सिरप में भी मिला जहरीला केमिकल, जिससे छिंदवाड़ा में गई थी 25 से ज्यादा बच्चों की जान

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

जबलपुर/भोपाल

मध्य प्रदेश में बच्चों को एलर्जी के लिए दिए जाने वाले अल्मॉन्ट किड सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। मंगलवार को राज्य सरकार ने इसको लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। दरअसल, इस सिरप में भी जहरीला इंडस्ट्रियल केमिकल (खराब एथलीन ग्लायकॉल) मिला है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से गाड़ियों के कूलेंट में किया जाता है। कोल्ड्रिफ कफ सिरप में भी यही जहरीला केमिकल मौजूद था, जिसके सेवन के बाद मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में किडनी फेल होने से 25 से ज्यादा मासूमों की जान चली गई थी।

मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि अल्मॉन्ट किड सिरप में जहरीला केमिकल मिलने के बाद तेलंगाना सरकार ने इसे अपने राज्य में बैन कर दिया और अन्य राज्यों को भी इसकी जानकारी भेजी है। तेलंगाना से नोटिस सभी राज्यों के पास शनिवार को आ गया था। इसके बाद इसे आगे बढ़ाते हुए हमने राज्य के हर जिले में मौजूद ड्रग इंस्पेक्टर को जानकारी भेजी है। साथ ही संबंधित सिरप को सीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूरे राज्य में यह प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने अल्मॉन्ट किड सिरप को लेकर एडवाइजरी जारी करते हुए स्टाक और बिक्री पर रोक लगा दी है। जबलपुर में भी ड्रग इंस्पेक्टर ने सभी मेडिकल दुकान संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अगर कहीं पर इस सिरप को रखा है, तो उसे जमा कर दें। हालांकि ड्रग इंस्पेक्टर का कहना है कि अभी तक जिले में स्टाक होने की जानकारी नहीं मिली है। गौरतलब है कि कुछ माह पहले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप कांड देशभर की सुर्खियों में छाया हुआ था। यहां कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन के बाद किडनी फेल होने से 25 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई थी। इस दौरान राज्य सरकार ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की जांच कराई थी, जिसमें केमिकल डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाए जाने की पुष्टि हुई थी। अब वही जहरीला केमिकल बच्चों को एलर्जी में दिए जाने वाले अल्मॉन्ट किड सिरप में मिला है। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन ने बच्चों को दी जाने वाली अल्मॉन्ट-किड सिरप पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने इस संबंध में अर्जेंट एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि इस सिरप में इथाइलीन ग्लाइकॉल नामक अत्यंत जहरीला रसायन पाया गया है। यह कार्रवाई केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से प्राप्त लैब रिपोर्ट के आधार पर की गई है। तेलंगाना सरकार की रिपोर्ट में यह भी पुष्टि हुई है कि बिहार स्थित कंपनी 'ट्रिडस रेमेडीज' द्वारा निर्मित बैच नंबर एएल-24002 की यह दवा मिलावटी और जानलेवा है। यह सिरप आमतौर पर बच्चों में एलर्जी, फीवर और अस्थमा के इलाज के लिए डॉक्टरों द्वारा लिखी जाती है। मामला सामने आने के बाद मध्य प्रदेश के सभी जिलों का खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग भी अलर्ट मोड पर है।

इजराइल ने सात वैश्विक संस्थाओं से संबंध तोड़े

एजेंसी (हि.स.)

तेल अवीव

फोटोः हि.स.

इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र के छह निकायों सहित सात वैश्विक संस्थाओं पर इजराइल विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए उनसे संबंध तोड़ने की घोषणा की है।इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने मंगलवार को यह घोषणा की। फैसले के कारणों का उल्लेख करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं में इजराइल विरोधी रवैया अपनाये जाने का आरोप लगाया है। सा'आर ने सात अक्टूबर को यौन हिंसा के मामलों को नजरअंदाज करने के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र संस्था की निंदा की और उस पर फिजूलखर्ची करने का आरोप जड़ा।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने बताया कि इजराइल ने तुरंत प्रभाव से, बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि के कार्यालय, लैंगिक समानता एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र संस्था यूएन वीमन, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, पश्चिमी एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग, सभ्यताओं का संयुक्त राष्ट्र गठबंधन, संयुक्त राष्ट्र ऊर्जा तथा प्रवासन एवं विकास पर वैश्विक मंच (जीएफएमडी) को छोड़ने का फैसला किया है। जीएफएमडी संयुक्त राष्ट्र की संस्था नहीं है। उन्होंने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि वह बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि के कार्यालय के साथ सहयोग खत्म कर रहा है, क्योंकि उसने सशस्त्र संघर्ष में बच्चों पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के साथ इजराइली सेना (आईडीएफ) को भी काली सूची में डाल दिया था।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने तमिल समुदाय को पोंगल की शुभकामनाएं दीं

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने तमिल समुदाय को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमारा तमिल समुदाय जिस पोंगल पर्व को मनाता है, वह परिवार के साथ एकजुट होने, कृतज्ञता व्यक्त करने, अपनी पारंपरिक जड़ों का सम्मान करने और आने वाले आशावादी वर्ष का स्वागत करने का उपयुक्त समय है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने कहा, इस अवसर पर मैं सभी को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूं। पोंगल पर्व की भावना का अनुभव करने के लिए लिटिल इंडिया या इंडियन हेरिटेज सेंटर में कुछ समय अवश्य बिताएं। उल्लेखनीय है कि भारत के तमिलनाडु में पोंगल पर्व कल ताई थिरुनाल के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए पारंपरिक तरीके से नए मिट्टी के बर्तन में पोंगल बनाकर खुशी और उत्साह के साथ त्योहार मनाया जाता है।

उत्तरी माली में नाइजर नदी में नाव डूबी, 38 की मौत

एजेंसी (हि.स.)

बमाको (माली)

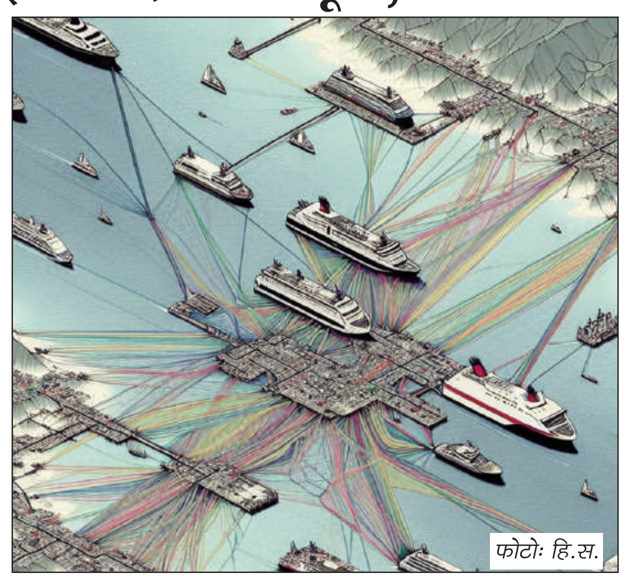

फोटोः हि.स.

उत्तरी माली के टिम्बकटू में नाइजर नदी में एक फेरी नाव (बोट) चट्टानों से टकराकर डूब गई। इस हादसे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के रिश्तेदारों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा गुरुवार को डिरे शहर में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या जारी नहीं की है, लेकिन इलाके के निवासी और पूर्व नेशनल असेंबली के डिप्टी अल्काइडी टूरे ने 38 लोगों की मौत हो गई और 23 को बचा लिया गया। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, डिरे नवासी मूसा अग अल्मोबारक ट्राओरे ने बताया कि उन्होंने इस हादसे में अपने परिवार के 21 सदस्यों को खो दिया।

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नाव में किसान सवार थे। यह हादसा रात को हुआ। इस इलाके में अल-कायदा के आतंकवादियों के हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों के कारण रात को डॉकिंग पर प्रतिबंध लगा है। ट्राओरे ने कहा कि नाव का चालक सुबह तक इंतजार नहीं करना चाहता था और उसने दूसरी जगह किनारे आने की कोशिश की, जहां नाव चट्टानों से टकराकर डूब गई। माली अपने पड़ोसी बुर्किना फासो और नाइजर के साथ मिलकर कई दशकों से आतंकवादियों से लड़ रहा है। अल-कायदा समर्थित जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (समूह के आतंकवादी माली के टिम्बकटू इलाके में सक्रिय हैं। नाइजर नदी पर फेरी नावों से जुड़े हादसे आम बात हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सिलीगुड़ी में 483 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और माटीगाड़ा थाने की पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए ब्राउन शुगर की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने मालदा जिले के कालियाचक से सिलीगुड़ी लाये जा रहे 483 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। इसके साथ ही एक मादक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गोविंद राय (26) के रूप में हुई है। वह माटीगाड़ा के शिमुलतला इलाके का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार देर रात माटीगाड़ा बाजार इलाके में एसओजी और माटीगाड़ा थाने की सादी वर्दी पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक संदिग्ध चार पहिया वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन के अंदर एक पैकेट से कुल 483 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। मौके से वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपित मालदा के कालियाचक से मादक पदार्थ लाकर सिलीगुड़ी में तस्करी करने की योजना बना रहा था, लेकिन पुलिस की सतर्कता से उसकी साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस मुठभेड़ में औरैया का शातिर चोर गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जनपद के थाना रामगढ़ पुलिस टीम ने मंगलवार देर रात मुठभेड़ में औरैया के आभूषण चोर को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक रवि शंकर प्रसाद ने बुधवार को बताया कि 05 व 09 जनवरी 2026 को थाना रामगढ़ क्षेत्रान्तर्गत हुई चोरी की घटनाओं के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की जा रही थी। उन्होंने बताया कि थाना रामगढ़ प्रभारी संजीव कुमार दुबे पुलिस टीम के साथ मंगलवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे तभी सूचना मिली कि लालपुर मंडी के पास स्थित पटेल कारखाना के पीछे एक संदिग्ध व्यक्ति अपने साथियों का इंतजार कर रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो उसने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम की जवाबी कार्यवाही में अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हुआ। जिसे घायल अवस्था में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की पहचान ऋषभ पुत्र राजबहादुर निवासी लहोखर थाना दिबियापुर जनपद औरैया के रुप में हुई है। घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध फिरोजाबाद व औरैया में लाभग एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

दिबियापुर में पुलिस मुठभेड़ः शातिर बदमाश के पैर में लगी गोली, दूसरा गिरफ्तार

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में रात्रिगश्त व पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कंचौसी की ओर से विझाई पुल के पास सामने से आ रही दो संदिग्ध बाइकों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को प्रातः तीन बजे दिबियापुर थाना पुलिस की शातिर चोरों से मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक बदमाश घायल हो गया जबकि दूसरे को दबोच लिया गया। सीओ सिटी अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार तड़के करीब तीन बजे यह मुठभेड़ दिबियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विझाई पुल के पास हुई।पुलिस को देखते ही एक बाइक सवार युवक ने अचानक पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें बाइक पर सवार शातिर बदमाश शिवम पाल पुत्र प्रमोद, निवासी थाना फफूँद, औरैया के पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ के दौरान एक अन्य चोर को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरी बाइक पर सवार बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। घायल बदमाश को पहले दिबियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

विक्ट्री ईवी ने निवेशकों को दिया झटका, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हेकिल्स इंटरनेशनल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरूआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 41 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.98 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 34.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 32.75 रुपये लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.12 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

विक्ट्री ईवी इंटरनेशनल का 35 करोड़ रुपये का आईपीओ सात से नौ जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से काफी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये फुली सब्सक्राइब भी नहीं हो सका था। ये आईपीओ ओवरऑल 0.95 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 84.30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में तथा आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 79 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.89 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 5.17 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में पहली छमाही के अंत यानी 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास में आग लगी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, सांसद और पूर्व केंद्रीयमंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास (मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड स्थित आवास संख्या 21) पर बुधवार सुबह 8:05 बजे अचानक आग लग गई। दमकल विभाग ने इसकी पुष्टि की। दमकल विभाग के अनुसार, शुरूआती कॉल में आग लगने की जगह कोठी नंबर-2 बताई गई। त्वरित जांच के बाद स्पष्ट हुआ कि आग रविशंकर प्रसाद के आवास पर लगी है। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां भेजी गईं। साथ ही दिल्ली पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी तुरंत सतर्क हो गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, आग घर के एक कमरे में रखे बिस्तर में लगी। इससे कमरे में भारी धुआं भर गया। दमकलकर्मियों ने करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 8:30 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

शैडोफैक्स के आईपीओ के प्राइस बैंड और साइज की घोषणा, 20 जनवरी को होगी लॉन्चिंग

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

लॉजिस्टिक सर्विस देने वाली कंपनी शैडोफैक्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 118 रुपये से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 120 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,907.27 करोड़ रुपये का है।

शैडोफैक्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 20 जनवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें 22 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 23 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 नवंबर को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 120 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,440 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,560 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 15.38 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें 1,000 करोड़ रुपये के 8.06 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा 907.27 करोड़ रुपये के 7.321 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का आईपीओ, 19 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का 26.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 21 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 55 रुपये से लेकर 57 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आर्मर सिक्योरिटी इंडिया के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,28,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.50 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 0.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.88 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.10 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काई लाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

इतिहास इस भूकंप का केंद्र भारत के बिहार क्षेत्र और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों के आसपास था

भारत-नेपाल के भीषण भूकंप की दर्दनाक याद, लगभग 11 हजार लागों की मौत

एजेंसी (हि.स.)

15 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में भारत और नेपाल के लिए एक त्रासदी के रूप में दर्ज है। वर्ष 1934 में इसी दिन आए विनाशकारी भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई थी। इस भूकंप का केंद्र भारत के बिहार क्षेत्र और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों के आसपास था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.4 मापी गई। भूकंप के तेज झटकों से शहरों और गांवों में इमारतें धराशायी हो गईं। बिहार के कई हिस्सों में सड़कें, पुल और घर पूरी तरह नष्ट हो गए, वहीं नेपाल में भी भारी जन-धन की हानि हुई। इस प्राकृतिक आपदा में अनुमानित रूप से लगभग 11 हजार लोगों की जान चली गई, जबकि असंख्य लोग घायल और बेघर हो गए। 1934 का यह भूकंप उस दौर की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है। सीमित संसाधनों और संचार व्यवस्था के अभाव के कारण राहत और बचाव कार्य भी अत्यंत कठिन रहा। इस त्रासदी ने न केवल तत्कालीन जनजीवन को झकझोर दिया, बल्कि भविष्य में भूकंप-रोधी निर्माण और आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। आज भी 15 जनवरी की यह तारीख हमें प्रकृति की अपार शक्ति और उससे निपटने के लिए सतर्कता, वैज्ञानिक सोच और मजबूत आपदा प्रबंधन तंत्र की अहमियत की याद दिलाती है।

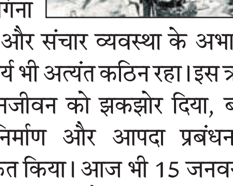

जन्म

1856 - अश्विनी कुमार दत्त - भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और देश भक्त। 1888- सैफुद्दीन किचलू- पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी। 1899 - ज्ञानी गुरमुख सिंह मुसाफि र - भारतीय राजनीतिज्ञ और पंजाबी भाषा के विख्यात साहित्यकार थे। 1921- बाबासाहेब भोसले - राजनीतिज्ञ, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री। 1926 - खाशाबा जाधव - भारत के ऐसे पहले कुश्ती खिलाड़ी थे, जिन्होंने हेलसिंकी ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता था। 1932 - जगन्नाथ पहाड़िया - राजस्थान के भूतपूर्व नौवें मुख्यमंत्री रहे हैं। 1934 - वी. एस. रमादेवी - भारत की प्रथम महिला मुख्य चुनाव आयुक्त थीं। 1938 - चुनी गोस्वामी - प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर थे। 1946 - हरप्रसाद दास - उड़िया भाषा के प्रसिद्ध निबंधकार, कवि और स्तम्भकार हैं। 1947 - संचमान लिम्बू - सिक्किम के भूतपूर्व चौथे मुख्यमंत्री थे। 1956- मायावती - राजनीतिज्ञ। 1957- भानुप्रिया अभिनेत्री। 1961- सरदूल सिकंदर - पंजाबी भाषा के लोक और पॉप संगीत से जुड़े प्रसिद्ध गायक तथा अभिनेता थे। 1982- नील नितिन मुकेश - भारतीय अभिनेता हैं, जो हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध गायक नितिन मुकेश के पुत्र हैं।

निधन

1761 ई. - सदाशिवराव भाऊ - भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध एक मराठा वीर थे। 1990 - आर. आर. दिवाकर - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के राजनीतिज्ञ थे। 1998 - गुलजारीलाल नन्दा - भारत के भूतपूर्व कार्यकारी प्रधानमंत्री। 2004 - मोहम्मद सलीम - 16वीं लोकसभा में सांसद थे। 2009 - तपन सिन्हा - प्रसिद्ध फि ल्म निर्देशक। 2012 - होमाई व्यारावाला - भारत की प्रथम महिला फोटो पत्रकार। 2014 - नामदेव ढसाल - मराठी कवि, लेखक और मानवाधिकार कार्यकर्ता थे। 2015 - रामेश्वर ठाकुर- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1759 - लंदन स्थित मोंटेगुवे हाउस में ब्रिटिश संग्रहालय की स्थापना हुई। 1784 - एशियेटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना। 1934 - बिहार में जबरदस्त भूकंप से करीब 20 हजार लोगों की मौत। 1949 - के. एम. करियप्पा भारतीय थल सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने। तब से 15 जनवरी को सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1949-में फील्ड मार्शल के. एम. करियप्पा ने जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान ली थी। 1965 - भारतीय खाद्य निगम की स्थापना। 1975 - पुर्तगाल ने अंगोला की आजादी के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1986 - थल सेना के प्रथम कमांडर इन चीफ के एम करियप्पा (सेवानिवृत्त) को फील्ड मार्शल की पदवी दी गई। 1986- इंडियन एयरलाइंस की एक वाणिज्यिक यात्री उड़ान को पहली बार केवल महिला चालक दल ने संचालित किया। 1988 - भारत के पूर्व गेंदबाज नरेंद्र हिरवानी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में ही 16 विकेट लिए। 1992 - बुल्गारिया ने बाल्कन के देश मैसिडोनिया को मान्यता दी। 1998-ढाका में त्रिदेशीय भारत, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान का शिखर सम्मेलन प्रारम्भ। 1999 - 'एनी फ्रैंक घोषणा पत्र' पर हस्ताक्षर करने वाले प्रथम विश्व नेता संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव कोफी अन्नान बने, पाकिस्तान में सभी नागरिक प्रशासनिक कार्य सेना को हस्तांतरित। 2001 : विकिपीडिया लॉन्च किया गया। 2006 - ब्रिटिश हाईकोर्ट ने क्वात्रोच्चि के दो बैंक खातों पर से प्रतिबंध हटाने का आदेश दिया। 2007-सद्दाम के सौतेले भाई एवं इराकी अदालत के पूर्व प्रमुख फांसी पर चढ़ाये गये। 2008 - सरकारी क्षेत्र की कंपनी गैस अथोरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (गेल) के बोर्ड ने महाराष्ट्र के दाभोल से बंगलुरु तक गैस पाइप लाइन बिछाने के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। 2008 - उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने 'गंगा क्सप्रेस वे परियोजना' का शिलान्यास किया। 2008 - प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की चीन यात्रा के दौरान भारत-चीन सीमा विवाद पर बातचीत की गई। 2008 - खगोलविदों ने धरती से 25 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर की आकाश गंगा के जीवन के लिये जरूरी तत्त्व खोजने का दावा किया। 2009 - दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता व प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता तपन सिन्हा का निधन। 2009-फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर को बाफ्टा पुरस्कार की श्रेणियों में स्थान मिला। 2010 - तीन घंटे से भी अधिक की अवधि वाला शताब्दी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण लगा।2013 - सीरिया की अलेप्पो यूनिवर्सिटी में रॉकेट हमले में 83 लोगों की मौत तथा 150 लोग घायल। 2016 - पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में ऑगाडोगू के होटल में आतंकवादी हमले में 28 लोगों की मौत तथा 56 लोग घायल। 2020 - आईसीसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के (सीमित ओवरों के फॉर्मेट) रोहित शर्मा को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर चुना। 2020 - विराट कोहली को 'आइसीसी स्प्रिट ऑफ क्रिकेट अवॉर्ड ऑफ द ईयर' चुना गया। 2020 - रूस के प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव ने अपने मंत्रिमंडल के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। 2020 - भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपना 145वां स्थापना दिवस मनाया। यह दिवस पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा मनाया गया। 2020 - आईपीएस अधिकारी आनंद प्रकाश माहेश्वरी ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बल 'केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल' के नए महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला।

अंडर-19 विश्व कप: अमेरिका के खिलाफ भारत जीत के साथ अभियान की शुरुआत करना चाहेगा

अब तक खेले गए 16 अंडर-19 विश्व कप में भारत पांच बार का विजेता रहा

एजेंसी (हि.स.)
बुलावायो (जिम्बाब्वे)

फोटोः हि.स.

कई युवा सितारों से सजी भारतीय टीम अंडर 19 विश्व कप में छठा खिताब जीतने के लिए अमेरिका की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके गुरुवार को यहां अपने अभियान की शानदार शुरूआत करना चाहेगी। अब तक खेले गए 16 अंडर-19 विश्व कप में भारत पांच बार का विजेता रहा है। इस टूर्नामेंट की शुरूआत 1988 में की गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने पहला चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

विराट कोहली, रोहित शर्मा, केन विलियमसन, जो रूट और स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ियों ने इसी टूर्नामेंट के जरिए क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था और बाद में उन्होंने खुद को खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के रूप में स्थापित किया। भारत के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने भी पहली बार 2018 के अंडर-19 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं, जिसमें टीम ने पृथ्वी साव के नेतृत्व में जीत हासिल की थीं। साव ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की बेहतरीन शुरूआत की थी लेकिन हाल के वर्षों में उनका प्रदर्शन फीका पड़ गया है। अतीत में यह प्रतियोगिता ब्रायन लारा, सनथ जयसूर्या, इंजमाम उल हक, ग्रीम स्मिथ, माइकल क्लार्क, हाशिम अमला और एलिस्टेयर कुक जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सीढ़ी के रूप में भी काम कर चुकी है, जो सभी आगे चलकर खेल के दिग्गज खिलाड़ी बने। भारत ने 2018 के अलावा 2000, 2008, 2012 और 2022 में ट्रॉफी जीती है। वह 2024 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था लेकिन इस बार वह खिताब का प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम कागजों पर संतुलित और मजबूत दिखती है। पिछले 16 मैचों में 13 में जीत हासिल करके टीम ने साबित कर दिया है कि वह जीतना जानती है। इस बीच उसने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला जीती। इसका मतलब है की टीम विदेश की परिस्थितियों में भी जीत हासिल करना जानती है। भारतीय चुनौती का नेतृत्व प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी, कप्तान आयुष म्हात्रे, उप कप्तान विहान मल्होत्रा और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आरोन जॉर्ज करेंगे। जॉर्ज अंडर-19 एशिया कप में 228 रन बनाकर भारत के शीर्ष स्कोरर रहे थे, जहां उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ने फाइनल मुकाबले में उन्हें चौंका दिया था। हालांकि हाल के दिनों में म्हात्रे की फॉर्म थोड़ी चिंता का विषय रही है, लेकिन टीम में अभिज्ञान कुंडू भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल में बेहद अच्छा प्रदर्शन किया है। महज 14 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सूर्यवंशी पहले से ही दुनिया के सबसे चर्चित युवा क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 के सत्र में 35 गेंदों में शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। प्रतिभाशाली सूर्यवंशी का स्टार बनना तय लग रहा है, लेकिन इस भारतीय टीम में अन्य खिलाड़ी भी हैं जिन्हें भविष्य के सितारों के रूप में देखा जाता है और जो कोहली, रोहित और गिल जैसे खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

टूर्नामेंट से पहले चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर रहने वाले म्हात्रे और मल्होत्रा ने टीम में वापसी की है जिससे भारत की बल्लेबाजी को मजबूती मिली है।

टीम इस प्रकार हैं

भारतः आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी दीपेश, मोहम्मद एनान, आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उधव मोहन, हेनिल पटेल, खिलान ए पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

अमेरिकाः उत्कर्ष श्रीवास्तव (कप्तान), अदनीत झांब, शिव शनि, नितीश सुदिनी, अद्वैत कृष्णा, साहिर भाटिया, अर्जुन महेश, अमरिंदर गिल, सबरीश प्रसाद, अदित कप्पा, साहिल गर्ग, अमोघ रेड्डी अरेपल्ली, ऋत्विक अप्पीदी, रेयान ताज, ऋषभ शिम्पी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने माइकल कैरिक को सीजन के अंत तक हेड कोच नियुक्त किया

एजेंसी (हि.स.)
मैनचेस्टर

फोटोः हि.स.

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पूर्व खिलाड़ी माइकल कैरिक को मौजूदा सत्र के अंत तक टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। क्लब ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। इससे पहले कैरिक 2021 में ओल्ड ट्रैफर्ड में केयरटेकर मैनेजर के रूप में तीन मैचों तक अपराजित रहे थे।

44 वर्षीय कैरिक ने अपने खिलाड़ी करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 464 मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने पांच प्रीमियर लीग खिताब, एक एफए कप, दो लीग कप, यूईएफए चैंपियंस लीग, यूईएफए यूरोपा लीग और फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीता। कैरिक की पिछली कोचिंग भूमिका चैंपियनशिप क्लब मिडिल्सब्रो के साथ थी, जहां उन्हें अक्तूबर 2022 में नियुक्त किया गया था। अपने पहले सीजन में उन्होंने मिडिल्सब्रो को चैंपियनशिप प्ले-ऑफ तक पहुंचाया, लेकिन दूसरे सीजन में टीम के 10वें स्थान पर रहने के बाद जून में उन्हें पद से हटा दिया गया। यूनाइटेड ने इससे पहले पूर्व खिलाड़ी और मैनेजर ओले गुन्नार सोल्स्कजायर से भी संभावित वापसी को लेकर बातचीत की थी।

क्लब की आधिकारिक वेबसाइट से बातचीत में कैरिक ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड की जिम्मेदारी संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं जानता हूं कि यहां सफलता के लिए क्या चाहिए। मेरा पूरा ध्यान खिलाड़ियों को उन मानकों तक पहुंचाने पर है, जिनकी इस महान क्लब में उम्मीद की जाती है। मुझे इस टीम की प्रतिभा, समर्पण और सफलता हासिल करने की क्षमता पर पूरा भरोसा है। इस सीजन में अभी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है और हम प्रशंसकों को उनके समर्थन के अनुरूप प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कैरिक कोचिंग स्टाफ में स्टीव हॉलैंड, जोनाथन वुडगेट, ट्रैविस बिनियन, जॉनी इवांस और क्रेग मॉसन का सहयोग मिलेगा।

गौरतलब है कि रेड डेविल्स ने पिछले सप्ताह पुर्तगाली कोच रूबेन अमोरिम को 14 महीने के निराशाजनक कार्यकाल के बाद बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद केयरटेकर कोच डैरेन फ्लेचर की देखरेख में यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग में बर्नली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला और एफए कप के तीसरे दौर में ब्राइटन से 1-2 से हार गई।

घरेलू कप प्रतियोगिताओं से शुरूआती दौर में ही बाहर होने और यूरोपीय फुटबॉल में जगह न मिलने के कारण यूनाइटेड इस सीजन केवल 40 मैच खेलेगा, जो 1914-15 सत्र के बाद सबसे कम है। 20 बार का इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड फिलहाल प्रीमियर लीग में सातवें स्थान पर है, लेकिन शीर्ष चार से सिर्फ तीन अंक पीछे और पांचवें स्थान पर मौजूद ब्रेंटफोर्ड से एक अंक पीछे है। यूनाइटेड शनिवार को स्थानीय प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर सिटी की मेजबानी करेगा, जो संभवतः माइकल कैरिक का हेड कोच के रूप में पहला मुकाबला होगा।

हरमनप्रीत और कैरी की शानदार पारियों से मुंबई इंडियंस की गुजरात जायंट्स पर दमदार जीत

एजेंसी (हि.स.)
नवी मुंबई

कप्तान हरमनप्रीत कौर की बेहतरीन पारी, अमनजोत कौर के अहम योगदान और अंत में निकोला कैरी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के छठे मुकाबले में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हराकर सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला मंगलवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। 193 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया। हरमनप्रीत ने विजयी चौका लगाकर मैच का अंत किया और अमनजोत व हरमनप्रीत – दोनों ह्यकौरह्न ने मजबूत बल्लेबाजी का नेतृत्व किया। इससे पहले, हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात जायंट्स ने बल्लेबाजी करते हुए तेज शुरूआत की और पावर-प्ले में 01 विकेट पर 62 रन बना लिए। बेथ मूनी को पहले ओवर में शबनिम इस्माइल की गेंद पर शून्य पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। सोफी डिवाइन जल्दी आउट हो गईं, लेकिन नंबर तीन पर आई कनिका आहूजा ने आक्रामक अंदाज में रन बनाए। पावर-प्ले के बाद अमेलिया केर ने मूनी (33) को आउट कर मुंबई को राहत दिलाई। एशली गार्डनर ने 11 गेंदों में 20 रन जोड़े, जबकि कनिका आहूजा ने 18 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। मध्य ओवरों में मुंबई की गेंदबाजी ने रनों की रफ्तार पर कुछ हद तक लगाम लगाई। अंतिम ओवरों में मैच का रुख फिर बदल गया। 16वें ओवर में आयुषी सोनी को रिटायर्ड आउट कराने का गुजरात का दांव सफल रहा। भारती फुलमाली ने क्रीज पर आते ही विस्फोटक बल्लेबाजी की और 15 गेंदों में नाबाद 36 रन ठोक दिए। जॉर्जिया वेयरहैम ने नाबाद 43 रन बनाए। आखिरी पांच ओवरों में 62 रन जोड़ते हुए गुजरात ने 5 विकेट पर 192 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

अल्काराज और सबालेंका को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शीर्ष वरीयता

मेलबर्न। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और एरीना सबलेंका को रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के ड्रॉ गुरुवार को डाले जाएंगे जिससे एक दिन पहले पुरुष और महिला वर्ग में 32 वरीय खिलाड़ियों की घोषणा की गई। पुरुष वर्ग में दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर को दूसरी वरीयता मिली है, जबकि अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीसरी और 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है। महिला वर्ग में सबालेंका, इगा स्वियातेक और कोको गॉफ लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज को नौवीं वरीयता दी गई है। वह शीर्ष 10 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं।

काराबाओ कप सेमीफाइनलः मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल को पहले चरण में 2-0 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
न्यूकैसल

फोटोः हि.स.

मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोइन सेमेन्यो ने लगातार दूसरे मैच में गोल दागते हुए शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि रयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पेप गार्डियोला की अगुआई वाली सिटी ने मंगलवार को खेले गए लीग कप (काराबाओ कप) सेमीफाइनल के पहले चरण में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूकैसल यूनाइटेड को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से मात दी।

जनवरी में बोर्नमाउथ से 65 मिलियन पाउंड के करार पर सिटी से जुड़े सेमेन्यो ने 53वें मिनट में जेरेमी डोकू के क्रॉस पर नजदीक से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बाद में उन्होंने एक और शानदार फिनिश के साथ गोल किया, लेकिन लंबी वीएआर जांच के बाद इसे सब्जेक्टिव ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। दूसरे चरण से पहले सिटी ने खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुकाबले के स्टॉपेज टाइम में रयान चेर्की ने लो शॉट लगाकर गोल किया और घरेलू दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। दूसरा चरण 4 फरवरी को खेला जाएगा। न्यूकैसल को मैच में कुछ अच्छे मौके मिले, खासकर दूसरे हाफ की शुरूआत में। सिटी के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने योआने विस्सा के शॉट को शानदार तरीके से क्रॉसबार पर टच कराया, जबकि इसके तुरंत बाद ब्रूनो गुइमारेस का लो शॉट भी गोलपोस्ट से टकरा गया। पिछले सीजन मार्च में वेम्बली में लिवरपूल को हराकर 1955 के बाद पहली घरेलू ट्रॉफी जीतने वाली न्यूकैसल अब लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचने के लिए मुश्किल स्थिति में है। सेमेन्यो ने शनिवार को एफए कप में एक्सेटर सिटी के खिलाफ 10-1 की जीत में भी गोल किया था। वह 2009 में इमैनुएल एडेबायोर के बाद सभी प्रतियोगिताओं में अपने पहले दो मैचों में गोल करने वाले पहले सिटी खिलाड़ी बने।

मैच के बाद सेमेन्यो ने कहा, यहां का माहौल बेहतरीन है। हर कोई आत्मविश्वास से भरा है और सर्वश्रेष्ठ हासिल करना चाहता है। मैं बहुत जल्दी चीजें सीख रहा हूं और मुस्कान के साथ खेल का आनंद ले रहा हूं। न्यूकैसल के कोच एडी हाउ ने नियम में बदलाव पर निराशा जताई, जिसके चलते सेमेन्यो इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए पात्र रहे। उन्होंने कहा कि यदि विस्सा शुरूआती मौके को भुना लेते तो मैच का रुख कुछ और हो सकता था।

गार्डियोला ने वीएआर फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम जानते हैं कि यह सिस्टम कैसे काम करता है। इससे हम और मजबूत होंगे।

ग्रीनवुड की हैट्रिक से मार्सेई फ्रेंच कप के अंतिम-16 में

एजेंसी (हि.स.)
बायो, फ्रांस

फोटोः हि.स.

मेसन ग्रीनवुड की शानदार हैट्रिक और दो गोल में अहम भूमिका की बदौलत मार्सेई ने क्षेत्रीय टीम बायो को 9-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रेंच कप के अंतिम-16 में जगह बना ली। यह मुकाबला मंगलवार रात को खेला गया। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 22 गोल के साथ मार्सेई के शीर्ष स्कोरर रहे ग्रीनवुड ने मौजूदा सत्र में भी जबरदस्त फॉर्म जारी रखते हुए अब तक 25 मैचों में 19 गोल दाग दिए हैं। ग्रीनवुड के स्ट्राइक पार्टनर अमीन गुइरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो गोल करने के साथ एक गोल में असिस्ट दिया। हालांकि बायो की टीम ने जुझारूपन दिखाया, लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण वह बड़े अंतर से हार से नहीं बच सकी। फ्रेंच कप में मार्सेई का आक्रामक प्रदर्शन लगातार जारी है। इससे पहले पिछले दौर में उसने तीसरे डिवीजन की टीम बुर्ग-एन-ब्रेस को 6-0 से हराया था। इस तरह दो मुकाबलों में मार्सेई ने कुल 15 गोल दाग दिए हैं। पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड खिलाड़ी ग्रीनवुड ने 90वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की।

अब फ्रेंच कप के अगले दौर में मार्सेई की भिड़ंत अगले महीने की शुरूआत में लीग-1 की ही टीम रेनेस से होगी, जो एक ऑल-फर्स्ट डिवीजन मुकाबला होगा।

दर्पण विशेष

भारतीय सेना दिवस भारतीय सेना की बहादुरी, समर्पण और बलिदान को श्रद्धांजलि

भारतीय सेना दिवस, जिसे सेना दिवस परेड के रूप में भी जाना जाता है, भारतीय सेना की बहादुरी, निस्वार्थता और बलिदान का सम्मान करने के लिए हर साल 15 जनवरी को मनाया जाता है। 2026 में 78वां भारतीय सेना दिवस इस ऐतिहासिक अवसर को पूरे देश में भव्य समारोहों, सैन्य परेड और समारोहों के साथ मनाएगा। यह वार्षिक उत्सव देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने वाले भारतीय सेना के जवानों की बहादुरी, समर्पण और बलिदान का सम्मान करता है। यह दिन राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा और एकता को बढ़ावा देने में भारतीय सेना द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को प्रतिबिंबित करने का दिन है।

भारतीय सेना दिवस का इतिहास

यह वह दिन है जब 15 जनवरी 1949 को फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा ब्रिटिश जनरल सर फ्रांसिस बुचर की जगह भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने थे। यह दिन स्वतंत्रता के बाद भारत की सैन्य स्वायत्तता के दावे का प्रतीक है, जो भारतीय नेतृत्व को कमान सौंपता है। भारतीय सेना की जड़ें ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना से जुड़ी हैं, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना का हिस्सा बन गई। स्वतंत्रता के बाद, यह भारतीय सेना बन गई और इसने देश की रक्षा करने और मानवीय संकटों में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारतीय सेना दिवस का महत्व

यह सैन्य नेतृत्व के भारतीयकरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने वाले सैनिकों की बहादुरी को स्वीकार करता है। भारतीय सेना विविधता में एकता का प्रतीक है, क्योंकि इसमें देश के सभी क्षेत्रों से कार्मिक आते हैं। इस दिन, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों और रेजिमेंटों को वीरता पुरस्कार और यूनिट प्रशस्ति पत्र जैसे पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। सेना दिवस परेड में उन्नत हथियारों और सैन्य प्रौद्योगिकियों सहित भारत की रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाता है।

देश के लिए थल सेना का योगदान

भारतीय थल सेना ने देश की रक्षा के लिए कई युद्ध लड़े हैं और हमेशा देश की सीमाओं की रक्षा के लिए तत्पर रहती है। सेना ने प्राकृतिक आपदाओं के समय भी लोगों की मदद की है। थल सेना दिवस एक ऐसा अवसर है। जब हम सभी एक साथ आकर अपने देश के वीर सैनिकों को धन्यवाद देते हैं।

सुरक्षा और रक्षा में योगदान

सीमा सुरक्षा थल सेना देश की सीमाओं की रक्षा करती है और विदेशी हमलों से बचाव करती है। आंतरिक सुरक्षा थल सेना आंतरिक सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जैसे कि आतंकवाद विरोधी अभियान और नक्सलवाद विरोधी अभियान। प्राकृतिक आपदा में सहायताः थल सेना प्राकृतिक आपदाओं जैसे कि बाढ़, भूकंप और तूफान में राहत और बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारतीय सेना के बारे में कुछ रोचक तथ्य

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1.3 मिलियन भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसमें से 74,000 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। नई दिल्ली में स्थित इंडिया गेट इन बहादुर सैनिकों की याद में बनाया गया है। भारतीय सेना का इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध है, और इसमें कई महत्वपूर्ण घटनाएं और युद्ध शामिल हैं। भारतीय सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वयंसेवी सेना है। जिसमें 12 लाख से अधिक सक्रिय सैनिक और 9 लाख आरक्षित सैनिक शामिल हैं। भारतीय सेना दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र, सियाचिन ग्लेशियर को नियंत्रित करती है। जो समुद्र तल से 20,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित हैप्यह गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर भी है। 61वीं कैवेलरी रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे बड़ी घुड़सवार इकाइयों में से एक है और दुनिया की आखिरी सक्रिय और गैर-यंत्रीकृत घुड़सवार इकाइयों में से भी एक है। अनुशासन और युद्ध कौशल के लिए प्रसिद्ध भारतीय सेना विश्व में चौथे स्थान पर आती है। जो केवल अमेरिका, रूस और चीन के बाद है, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाले देशों में शामिल है, और वर्तमान में 6,000 से अधिक भारतीय सैनिक विभिन्न मिशनों में तैनात हैं। 2013 में उत्तर भारत में आई भीषण बाढ़ के दौरान भारतीय सेना ने ₹ऑपरेशन राहत₹ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मिशन में भारतीय वायुसेना ने 19,600 से अधिक लोगों को एयरलिफ्ट किया। जबकि भारतीय सेना ने 10,500 से अधिक लोगों को सड़कों और हेलीकॉप्टरों की मदद से बचाया। 1982 में, भारतीय सेना ने लद्दाख में विश्व का सबसे ऊंचा पुल दाबेली ब्रिज बनाया। यह पुल समुद्र तल से 18,739 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसकी लंबाई 98 फीट है। भारतीय सेना के पास कुशल डॉग स्क्वॉड भी है, जिसमें जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर और बेल्जियन मेलिनॉय जैसी नस्लें शामिल हैं। ये प्रशिक्षित कुत्ते विस्फोटक खोजने, ट्रैकिंग और बचाव कार्यों जैसे अभियानों में सेना की महत्वपूर्ण सहायता करते हैं। भारतीय सेना न केवल अपनी बहादुरी के लिए जानी जाती है, बल्कि उसके रोचक इतिहास और शानदार परंपराओं के लिए भी सम्मिलित है। गोरखा रेजीमेंट गोरखा सैनिकों ने कारगिल युद्ध सहित कई अभियानों में अपनी वीरता का परिचय दिया है।

राष्ट्र निर्माण में योगदान

राष्ट्र निर्माण थल सेना ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में मदद की। विकास कार्यों में सहायताः थल सेना विकास कार्यों में भी सहायता प्रदान करती है, जैसे कि सड़क निर्माण, पुल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास में। सामाजिक कार्यों में सहायता थल सेना सामाजिक कार्यों में भी सहायता प्रदान करती है, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आदि।

भारतीय सेना की प्रमुख उपलब्धियां

1947-48: कश्मीर युद्ध

कश्मीर युद्ध भारतीय सेना की पहली बड़ी चुनौती थी। पाकिस्तान ने कश्मीर को हथियाने के इरादे से हमला किया। कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह के अनुरोध पर भारतीय सेना ने कार्रवाई की और कश्मीर को बचाया। भारतीय सैनिकों की बहादुरी और कुशल रणनीति ने दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर किया।

1962: चीन-भारत युद्ध

1962 में चीन ने भारतीय हिमालयी सीमाओं पर हमला किया। उस समय भारतीय सेना पूरी तरह तैयार नहीं थी, जिससे भारत को नुकसान हुआ। लेकिन इसके बाद भारतीय सेना ने अपनी ताकत और रणनीति को मजबूत किया और सीमा पर चीन को कड़ा जवाब देने में सक्षम हो गई।

1965: भारत-पाकिस्तान युद्ध

1965 में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और युद्ध में उसे पराजित किया। यह युद्ध भारतीय सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

1971: बांग्लादेश युद्ध

पाकिस्तानी सेना ने बंगाल क्षेत्र पर कब्जा जमा लिया और बांग्लादेशियों को भारत में शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया था। भारत ने पाकिस्तान के पूर्वी इलाके पर कब्जा करके 90000 कैदियों को आजादी दिलाई और उस क्षेत्र को बांग्लादेश के तौर पर एक स्वतंत्र पहचान दिलाई।

1999: कारगिल युद्ध

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ ऑपरेशन विजय चलाया गया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना की जीत इतिहास में सुनहरे अक्षरों से दर्ज हो गई। यह कारगिल युद्ध के नाम पर भी मशहूर है।

पीजीआईएमईआर की डॉ. प्रेमा मेनन को पेडिएट्रिक सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. प्रेमा मेनन को पेडिएट्रिक सर्जरी के क्षेत्र में उनके बेहतरीन और सराहनीय कार्य के लिए वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित आईएपीएस ओरशन अवॉर्ड प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें बच्चों की सर्जरी से जुड़ी जटिल बीमारियों के इलाज, शोध कार्य और मेडिकल छात्रों को प्रशिक्षण देने में अहम योगदान के लिए मिला है। यह पुरस्कार हाल ही में ओडिशा के पुरी में आयोजित भारतीय पेडिएट्रिक सर्जन एसोसिएशन (आईएपीएस) के 51वें राष्ट्रीय सम्मेलन और 60वें स्थापना वर्ष (डायमंड जुबली) समारोह आईएपीएसकॉन-2025 के दौरान दिया गया। इस सम्मेलन में देशभर से पेडिएट्रिक सर्जरी के विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. प्रेमा मेनन ने बच्चों में किडनी से जुड़ी एक आम बीमारी पेल्वि-यूरीटरिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन पर अपना ओरशन प्रस्तुत किया। इस बीमारी में किडनी से पेशाब बाहर निकलने का रास्ता संकरा हो जाता है, जिससे मूत्र का प्रवाह ठीक से नहीं हो पाता। इसका पता आमतौर पर अल्ट्रासाउंड और अन्य इमेजिंग जांचों से लगाया जाता है। समय पर सर्जरी कराने से इस बीमारी का सफल इलाज संभव है। डॉ. प्रेमा मेनन ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर बताया कि कुछ मामलों में यह समस्या किडनी की नसों की असामान्य बनावट के कारण भी होती है। उन्होंने ऐसी विशेष इमेजिंग तकनीकों की जानकारी दी, जिससे ऑपरेशन से पहले ही बीमारी की सही पहचान हो जाती है। इससे सर्जरी के दौरान नसों को नुकसान पहुंचने का खतरा कम हो जाता है और किडनी को सुरक्षित रखा जा सकता है।

डॉ. प्रेमा मेनन वर्ष 2002 से पीजीआई चंडीगढ़ में पेडिएट्रिक सर्जरी विभाग में सेवाएं दे रही हैं। अब तक वह 100 से अधिक एम.च. छात्रों को प्रशिक्षण दे चुकी हैं। उन्होंने बच्चों की कई गंभीर और जटिल बीमारियों का सफल इलाज किया है। उनके नाम 200 से अधिक शोध पत्र और कई पुस्तक अध्याय प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा उन्हें पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। मेडिकल फील्ड में उनके योगदान को देशभर में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच डिजिटल विभाजन को पाटने में सहायक होते हैं एनएसएस शिविर : प्रिंसिपल प्रो. निशा अग्रवाल

चंडीगढ़। सेक्टर-46 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज में सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. निशा अग्रवाल मुख्य अतिथि थीं और उप-प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार विशिष्ट अतिथि थे। अपने संबोधन में प्रो. अग्रवाल ने समाज में डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए शिविर के सफल आयोजन हेतु एनएसएस इकाइयों को बधाई दी। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों के समर्पण, अनुशासन और कड़ी मेहनत की सराहना की। प्रो. अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के शिविर शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच डिजिटल विभाजन को पाटने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों को समाज की बेहतरी के लिए अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग जारी रखने और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया, जो दूसरों को सुरक्षित और नैतिक ऑनलाइन प्रथाओं में मार्गदर्शन कर सकें। शिविर की गतिविधियों के अंतर्गत, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा राम दरबार गाँव में घर-घर जाकर डिजिटल साक्षरता सर्वेक्षण किया गया। लगभग 1,000 निवासियों से डेटा एकत्र किया गया, जिनसे उनके इंटरनेट उपयोग की आवृत्ति और उनके द्वारा नियमित रूप से उपयोग की जाने वाली ऑनलाइन सेवाओं के बारे में पूछा गया।

विधायक कुलवंत सिंह ने मोहाली में किया ओपन एयर जिम का शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

रिशि अपार्टमेंट, सेक्टर 70, मोहाली में ओपन जिम के कार्य का शुभारंभ मोहाली के विधायक श्री कुलवंत सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री कुलवंत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में मोहाली में विकास कार्यों की निरंतर श्रृंखला चल रही है और शहर की प्रत्येक सोसाइटी में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह गंभीर है।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि वे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं, न कि उन्हें रोकने में। उन्होंने कहा कि आवासीय सोसाइटियों में स्वास्थ्य एवं फिटनेस से जुड़े प्रोजेक्ट्स लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर वार्ड नंबर 34 से पार्षद श्री सुखदेव सिंह पटवारी ने कहा कि वे अपने वार्ड को अपने परिवार के समान मानते हैं और रिशि अपार्टमेंट के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में रिशि अपार्टमेंट में लगभग 92 लाख रुपये के विकास कार्यों की शुरूआत की जाएगी, जिससे निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान रिशि अपार्टमेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हरप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती इंद्रावती चोबे, महासचिव श्री पुनीत भारद्वाज, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता रीन, वेलफेयर सचिव श्रीमती सुनीता टिक्कू एवं संयुक्त सचिव श्री तजिंदर सिंह कुल्लर ने अपार्टमेंट के निवासियों की ओर से विधायक श्री कुलवंत सिंह एवं पार्षद श्री सुखदेव सिंह पटवारी का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर श्री सतपाल सिंह घुम्मन, श्री स्वरणजीत शर्मा, श्रीमती कमलजीत कौर, श्रीमती सिम्मी बख्शी, श्रीमती इकबाल कौर, श्री रूपिंदर सिंह सरां, श्री जी.पी.एस. संधू, श्री जसवंत सिंह लहरा सहित बड़ी संख्या में रिशि अपार्टमेंट के निवासी उपस्थित रहे।

राधी देवी अमरावती पालीक्लिनिक ने मनाया 20वां स्थापना दिवस

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पिंजौर-कालका अर्बन कॉम्प्लेक्स स्थित राधी देवी अमरावती पालीक्लिनिक (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल) ने अपना 20वां स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सेवा भाव के साथ मनाया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में सुंदरकांड पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर 12:30 बजे भोग एवं लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

पंचकूला के पूर्व महापौर एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर कुलभूषण गोयल ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पालीक्लिनिक द्वारा समाजहित में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में लगभग 250 लोगों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया।

कैंप में मेडिसिन विशेषज्ञ डा. रमेश्वर चंदर (एमडी मेडिसिन, पूर्व पीएमओ, गवर्नमेंट हॉस्पिटल सेक्टर-16 चंडीगढ़), नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. बक्शी गुप्ता व डा. नीरज गुप्ता, आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ डा. विवेक भाटिया, बाल रोग विशेषज्ञ डा. डेजी बंसल, त्वचा रोग विशेषज्ञ डा. रजत मेहता, यूरोलॉजिस्ट डा. बोधराज ठाकुर, अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे विशेषज्ञ डा. लवकेश मित्तल, फिजियोथेरेपी में डा. किरण व डा. दीपक, दंत रोग विशेषज्ञ डा. अमृता आहूजा तथा गायनोकोलॉजिस्ट डा. सुरभि गुप्ता एवं डा. अर्चना चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। पालीक्लिनिक में मेडिसिन, नेत्र, आर्थोपेडिक्स, गायनोकोलाजी, सर्जरी, पीडियाट्रिक्स, डेंटल, फिजियोथेरेपी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे एवं पूर्णतः सुसज्जित लैब की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं।

इस अवसर पर कुलभूषण गोयल व अंजू गोयल, जीवन प्रकाश अग्रवाल व लता अग्रवाल, हरगोबिंद गोयल व मीना गोयल, नेहा व मयंक गोयल, परिनीता व नितिन गोयल, मानसी व ऐनेश गोयल, वीरेन गोयल व भाविक गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भीषण ठंड में मार्केट सेक्टर 11 पंचकूला में हुआ 38 यूनिट्स रक्त एकत्र

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

मकर सक्रांति के उपलक्ष्य पर व भीषण ठंड की वजह से अस्पतालों में आई रक्त की कमी को पूरा करने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से विश्वास फाउंडेशन पंचकूला व पंचकूला के समाज सेवी विजय कुमार उप्पल द्वारा मार्केट सेक्टर 11 पंचकूला में अनुपम स्वीट्स के सामने लगाया गया। शिविर में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा पंचकूला ने भी सहयोग किया। विश्वास फाउंडेशन के जॉइन्ट सेक्रेटरी ऋषि सरल विश्वास ने बताया कि शिविर का उद्घाटन विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास, श्री विजय कुमार उप्पल, आनंद उप्पल, डॉक्टर पुनीत सचदेवा व संस्था के अन्य सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से मिलकर दीप प्रज्वलित करके किया गया। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि ब्लड बैंक पारस अस्पताल सेक्टर 22 पंचकूला की टीम ने डॉः पुनीत सचदेवा की देखरेख में 38 यूनिट्स रक्त एकत्रित किया। कैम्प में 43 डोनर्स ने ब्लड डोनेट करने के लिए रजिस्टर करवाया, 5 को किन्हीं कारणों की वजह से ब्लड डोनेट करने के लिए डाक्टरों द्वारा मना कर दिया गया। इस शिविर में पंचकूला के निखिल ने 18 वर्ष के होते ही आज प्रथम बार रक्तदान किया। शिविर में विजय कुमार उप्पल जी की फैक्ट्री बद्दी से भी डोनर्स ब्लड डोनेट करने के लिए पहुंचे। इतनी ठंड होने के बावजूद भी डोनर्स रक्तदान करने के लिए शिविर में पहुंचे। विजय कुमार उप्पल ने बताया कि पहले रक्तदान जब जरूरत होती थी तब किया जाता था। अब तो कई लोग ऐसे भी हैं, जो जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर भी रक्तदान करते हैं। रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है, जिससे मनुष्य ना जाति देखता है ना धर्म देखता। यह मनुष्य के लिए जीवन का सबसे पुनीत कार्य है।

संक्षिप्त-समाचार

श्री माता मनसा देवी मंदिर में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की सीईओ श्रीमती निशा यादव ने बताया कि श्री माता मनसा देवी (मुख्य मन्दिर, पटियाला मन्दिर व सती मन्दिर), पंचकूला, श्री काली माता मन्दिर, कालका व श्री चण्डीमाता मन्दिर, चण्डीमन्दिर मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीमती निशा यादव ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 04.01.2026 से 17.02.2026 की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये 02.01.2026 से ऑनलाइन बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आरम्भ होगी। सभी इच्छुक श्रद्धालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं।

घरेलू हिंसा रिपोर्ट के बदले रिश्वत मांगने वाली संरक्षण अधिकारी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल

गुरुग्राम। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने आज भ्रष्टाचार के एक मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी मीना कुमारी, संरक्षण अधिकारी, बाल विकास एवं महिला कल्याण विभाग, गुरुग्राम के विरुद्ध धारा 7 पीसी एक्ट के तहत चालान (चार्जशीट) माननीय न्यायालय श्री वीरेंद्र मलिक, ए.एस.जे., गुरुग्राम में प्रस्तुत किया है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि संरक्षण अधिकारी मीना कुमारी द्वारा घरेलू हिंसा से संबंधित रिपोर्ट को जेएमआईसी कोर्ट, गुरुग्राम में प्रस्तुत करने के बदले 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी। रिश्वत की मांग एवं लेन-देन की रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने के कारण यह मामला भ्रष्टाचार का गंभीर उदाहरण साबित हुआ। शिकायत प्राप्त होने के बाद राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने त्वरित जांच की कार्यवाही शुरू की और सभी आवश्यक साक्ष्यों को एकत्रित किया। पर्याप्त सबूत प्राप्त होने पर आरोपी अधिकारी के विरुद्ध मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की गई। जांच पूर्ण होने के उपरांत आज चार्जशीट माननीय न्यायालय में दाखिल कर दी गई है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के प्रति हरियाणा सरकार और राज्य सतर्कता ब्यूरो की जीरो टॉलरेंस की नीति को सुदृढ़ रूप से प्रदर्शित करती है। ब्यूरो यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

गुरुग्राम एसीबी की कार्रवाईः दो गृह रक्षी रिश्वत लेते गिरफ्तार

गुरुग्राम। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (अउइ) गुरुग्राम की टीम ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए दो गृह रक्षियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी सतीश, गृह रक्षी थाना सदर महेन्द्रगढ़ तथा राकेश, गृह रक्षी कार्यालय गृह रक्षी विभाग नारनौल के विरुद्ध थाना एसीबी गुरुग्राम में अभियोग संख्या 02/14.01.2026, धारा 7 पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता भी एक गृह रक्षी है, जो थाना सदर महेन्द्रगढ़ में कार्यरत है। गृह रक्षियों की ड्यूटी हर तीन माह के बाद पुनः लगाई जाती है। इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बदले आरोपी गृह रक्षी सतीश और राकेश द्वारा शिकायतकर्ता से 6,000 रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता पहले ही 4,000 रुपये आरोपी सतीश को दे चुका था, जिसके बाद उनसे बकाया 2,000 रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसीबी गुरुग्राम टीम ने शिकायतकर्ता को मांगी गई राशि लेकर भेजा। जैसे ही आरोपी सतीश ने शिकायतकर्ता से 2,000 रुपये की रिश्वत प्राप्त की, तभी एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। मौके से पूरी रकम बरामद कर ली गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यदि कोई सरकारी कर्मचारी या अधिकारी आपसे किसी भी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो तुरंत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा की हेल्पलाइन- 1064 या 1800-180-2022- पर संपर्क करें।

क्वालिटी ऑफ सर्विस व साइबर हाइजीनह्न पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़। सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप (सीएजी) ने दूरसंचार नियामक प्राधिकरण टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के सहयोग से सेक्टर-26 स्थित एसजीजीएस कॉलेज में ह्यक्वालिटी ऑफ सर्विस और साइबर हाइजीनह्न विषय पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यशाला में एनएसएस के 140 स्वयंसेवकों व समन्वयकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं वोडाफोन आइडिया, रिलायंस जियो और बीएसएनएल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सत्र का उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों व जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और रोजमर्रा में आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी देना रहा। छात्रों को नवीनतम साइबर ठगी के तरीकों से अवगत कराया गया तथा दूरसंचार विभाग और ट्राई के विभिन्न मोबाइल ऐप्स के उपयोग के बारे में बताया गया, ताकि वे सुरक्षित और सतर्क रह सकें। सीएजी के चेयरमैन सुरिंदर वर्मा ने उद्घाटन संबोधन में बताया कि संगठन 1994 से गुणवत्ता सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। महासचिव मोहिंदर कटारिया ने सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन सुरिंदर वर्मा ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग के लिए एनएसएस समन्वयक डॉ. रीशू और डॉ. भजन को सम्मानित किया।

मकर संक्रांति पर झुग्गी-बस्तियों में 100 कंबलों का वितरण

चंडीगढ़। मकर संक्रांति के अवसर पर गुरु नानक गीता कैलाश मेमोरियल फाउंडेशन, चंडीगढ़ ने मोहाली की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के बीच 100 कंबलों का वितरण किया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य कड़ाके की ठंड में गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को राहत पहुंचाना था। कार्यक्रम में पीजीआई के यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष ने भी सहभागिता निभाई और सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। फाउंडेशन के सदस्यों ने स्वयं मौके पर पहुंचकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था मानव सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों के साथ समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

गोवंश की मृत्यु पर निगम आयुक्त ने किया मौके का दौरा सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ में गौवंश की मृत्यु की दुर्भाग्यपूर्ण घटना का गंभीर संज्ञान लेते हुए नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) के आयुक्त एवं उपायुक्त, चंडीगढ़ ने मौके का दौरा किया तथा स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन कर तत्काल सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने हेतु मृत गौवंश के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं, जिसकी अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त (एडीएम) द्वारा की जाएगी। निदेशक, पशुपालन विभाग; उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम), पूर्व; तथा क्षेत्र के उप-मंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) एडीएम को जांच में सहयोग प्रदान करेंगे। एडीएम को निर्देश दिए गए हैं कि जांच रिपोर्ट शीघ्रातिशीघ्र प्रस्तुत की जाए।

नगर निगम चंडीगढ़ द्वारा चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य (एमओएच) डॉ. इंदरदीप कौर को निलंबित कर दिया गया है तथा गौशाला में तैनात संविदा कर्मियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं, जिनमें डॉ. रविंदर सिंह ढिल्लों, पशु चिकित्सक; रामलाल सिंह, स्वच्छता निरीक्षक; लवली, पर्यवेक्षक तथा अन्य मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) शामिल हैं। इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है। दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, नगर निगम को गौशालाओं के बेहतर प्रबंधन एवं समग्र पशु कल्याण सुनिश्चित करने, विशेष रूप से स्वच्छता एवं साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम प्राधिकरणों द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि संयुक्त आयुक्त, नगर निगम चंडीगढ़, गौशाला संचालकों के साथ प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा बैठक करेंगे। इसके साथ ही, पशुपालन विभाग के चिकित्सकों की एक समर्पित टीम द्वारा गौशालाओं का नियमित दौरा कर पशुओं की आवधिक चिकित्सा जांच एवं स्वास्थ्य निगरानी की जाएगी, ताकि समय पर उपचार एवं गौवंश का समग्र कल्याण सुनिश्चित हो सके। गौशालाओं में चौबीसों घंटे निगरानी, पारदर्शिता बढ़ाने तथा पशु देखभाल, सुरक्षा एवं समग्र प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु सीसीटीवी कैमरे भी स्थापित किए जाएंगे।

चंडीगढ़ प्रशासन पशु कल्याण सुनिश्चित करने तथा सभी नगर निगम सुविधाओं के संचालन में सख्त जवाबदेही बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक को सख्ती से निपटा जाएगा।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर कृषि विभाग ने दिया बल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

> वैकल्पिक फसलों की बुआई के लिए जिला में 1500 एकड का रखा लक्ष्य

हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रुपए प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

चोरी
बाहर घूमने गए परिवार का घर चोरों ने किया साफ

सैनी विहार फेज-2 में बड़ी चोरी, लाखों का सामान लेकर फरार हुए चोर

सिटी दर्पण संवाददाता
जीरकपुर

बलटाना क्षेत्र के सैनी विहार फेज-2 में एक मकान में चोरी की गंभीर वारदात सामने आई है। इस संबंध में फेज-2 सैनी विहार निवासी विनय मित्तल ने पुलिस चौकी बलटाना में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता विनय मित्तल ने पुलिस को बताया कि 9 जनवरी 2026 को उनकी पत्नी मायके गई हुई थीं, जबकि वह स्वयं भी घर से बाहर घूमने चले गए थे। 13 जनवरी 2026 को जब वह घर लौटे तो उन्होंने देखा कि घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में सामने आया कि 13 जनवरी की सुबह करीब 2:30 बजे से 3:40 बजे के बीच मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवक घर के बाहर पहुंचे। उन्होंने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और काफी देर तक भीतर रहकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया, इसके बाद मौके से फरार हो गए।

पीड़ित के अनुसार चोर घर से करीब सात लैपटॉप, पांच तोला सोना और लगभग 90 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

सूचना मिलने पर पुलिस चौकी बलटाना से एएसआई पवन कुमार और पीएचजी मनजीत सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाई गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों में भी पूछताछ और